लखनऊ

मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 94

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

यदि आप अपने सपने साकार नहीं करेंगे तो कोई और खुद के लिए आपको भाड़े पर रख लेगा ।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

थाड से थर-थर कांपेगा ईरान! इजराइल को मिलने वाली अमेरिकी एंटी मिसाइल सिस्टम में क्या खास?

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अपने सहयोगी इजराइल की सुरक्षा के लिए और मदद देने का ऐलान किया है। इजराइल को एक ऐसा सुरक्षा कवच मिलने वाला जिसको ईरान और उसके प्रॉक्सी का भेद पाना बेहद मुश्किल होगा। युद्ध की शुरुआत से अमेरिका इजराइल को हर तरह की मदद दे रहा है और उसकी सुरक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत लगाया हुआ है। जैसे-जैसे इजराइल के दुश्मनों के हमले का दायरा बढ़ रहा है, अमेरिका भी अपने दोस्त की सुरक्षा के लिए और आगे आ रहा है। पेंटागन ने घोषणा की है कि वह इजराइल को एडवांस एंटी मिसाइल सिस्टम (THAAD) देने जा रहा है। इसके अलावा इजराइल में अमेरिका अपने अतिरिक्त सैनिक तैनात करने जा रहा है। अमेरिका के इस ऐलान से ईरान का कांपना तय है, क्योंकि उसने अपने ऊपर हमले के बाद जवाबी हमले की धमकी दी है और अब अमेरिका उसके जवाबी हमले से इजराइल को बचाने के लिए सतर्क हो गया है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने रविवार को कहा कि पेंटागन प्रमुख लॉयड ऑस्टिन ने इजराइल में टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (THAAD) बैटरी और अमेरिकी सैन्य कर्मियों की तैनाती के आदेश दिए है, ताकि देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिल सके। अमेरिका की ये नई मदद उसकी इजराइली सुरक्षा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इजराइल को US से मिला ग्रीन सिग्नल, ईरान पर ऐसे करेगा हमला कि आ जाएगा जलजला

ईरान। ईरान पर कभी भी हमला हो सकता है क्योंकि पेंटागन ने इजराइल को ग्रीन सिग्नल दे दिया है। अब इजराइल, ईरान पर तबाही मचा सकता है। इजराइल ने पहले से ही हमले के लिए टारगेट फिक्स किए हुए हैं। बस उसे अमेरिका की सहमति का इंतजार था। बेंजामिन कैबिनेट में पहले ही हमले को लेकर मुहर लग चुकी थी, लेकिन जैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने रुख में बदलाव किया, वैसे ही इजराइल ने सैन्य ठिकाने और मिसाइल साइट वॉर रेडी कर दिए। उधर, ईरान ने धमकी दी है, अगर इजराइल हमला करता है तो अरब में परमाणु युद्ध का अलार्म बज जाएगा। फिर अरब से शुरू हुई एटमी आंधी पूरे यूरोप तक फैल सकती है। पलटवार के लिए ईरान स्पाई सैटेलाइट का सहारा ले सकता है, जिससे इजराइल में भारी तबाही मचा सकता है। ईरान, रूस की मदद से जासूसी उपग्रह अंतरिक्ष में भेज चुका है, जिस सैटेलाइट से लगातार इजराइल की निगरानी की जा रही है। सैटेलाइट की मदद से इजराइल के सैन्य ठिकानों की जानकारी IRGC के पास पहुंच रही है। सैटेलाइट इमेज के आधार पर ईरान ने इजराइल में हमले के टारगेट फिक्स कर लिए हैं। इजराइल के दिमोना न्यूक्लियर बेस की गुप्त सूचना भी ईरान के पास पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि ईरान ने सैटेलाइट के जरिए हाइफा और इलात पोर्ट की भी जासूसी कराई। इजराइल के ठिकानों की सीक्रेट जानकारी ईरानी प्रॉक्सी को भी भेजी गई है, जिसके बाद ईरानी प्रॉक्सी भी टारगेटेड अटैक कर रहे हैं। अब ईरान इजराइल के 10 ठिकानों पर बड़े अटैक की तैयारी में है।

पीएसी, सीआरपीएफ और आरएएफ... हिंसा के बाद छावनी में तब्दील बहराइच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बहराइच में ग्राउंड जीरो पर उच्च अधिकारियों के उतरते ही स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ गई। सीएम योगी ने DGP और अपर मुख्य सचिव गृह से बात करके ग्राउंड जीरो पर जाने के निर्देश दिये थे। इस दौरान सीएम योगी ने अधिकारियों को पल-पल की जानकारी साझा करने के भी निर्देश दिये। सीएम योगी की दखल के बाद वर्तमान में बहराइच में शांति व्यवस्था कायम हो पाई है। पुलिस फोर्स और प्रशासन उपद्रवियों की धरपकड़ में लगी हुई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच की घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे। डीजीपी प्रशांत कुमार कुमार से घटना को लेकर बात की। वहीं सीएम योगी के निर्देश पर एडीजी लॉ एंड आर्डर अमिताभ यश और गृह सचिव संजीव गुप्ता ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। इस दौरान क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए 4 आईपीएस, 2 एएसपी, 4 डिप्टी एसपी को तैनात किया गया। सभी अधिकारियों ने बहराइच में मोर्चा संभाला।

इसके साथ ही 12 कंपनी पीएसी, 2 कंपनी सीआरपीएफ और 1 कंपनी आरएएफ को भी भेजा गया है। जबकि रेंज और जोन के अधिकारी मौके पर पहले से मौजूद हैं। यहां से भी बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। बहराइच में स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए फोर्स ने गली-गली में सर्च शुरू किया और उपद्रवियों को खदेड़ा है। इसके अलावा चप्पे पर पुलिस के जवान को तैनात किया गया। सीएम योगी के निर्देश पर पुलिस और प्रशासन का सख्त एक्शन देख उपद्रवी और अराजक तत्व अंडर ग्राउंड हो गये। पुलिस प्रशासन ने उपद्रवियों की तलाश शुरू की। 30 से ज्यादा अराजतत्वों को हिरासत में लिया गया।

मुख्य आरोपी सलमान सहित 25 गिरफ्तार

बहराइच की सांप्रदायिक हिंसा में देर रात मुख्य आरोपी सलमान समेत कई लोगों पर एफआईआर की गई। सूत्रों के अनुसार 20 से 25 लोगों के हिरासत में लेने की खबरें हैं। उधर दूसरी ओर पूजा कमेटी देर रात तक इस बात पर अड़ी रही कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो। आरोपियों को फांसी देने के नारे देर रात सड़कों पर गूंजते रहे।

अफवाहों पर ध्यान न दें बहराइचवासी-DGP

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि फिलहाल बहराइच में पूरी तरह से शांति है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि घटना में 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है। इसमें 4 उपद्रवियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गयी है जबकि अज्ञात अराजक तत्वों की जानकारी जुटायी जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सीधी नजर पूरे मामले पर है। उनके निर्देश पर उपद्रवियों की तलाश तेज कर दी गयी है। सभी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान डीजीपी ने स्थानीय निवासियों से अफवाहों और भ्रामक खबरों से सावधान रहने की अपील की।

क्या है पूरा मामला

बहराइच में महसी तहसील के महराजगंज कस्बे में गाने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया तो दूसरे समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24) को घर के अंदर घसीट ले गए और गोली मार दी। उसे बचाने पहुंचे राजन (28) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया। शहर में सैकड़ों जगह प्रतिमा विसर्जन रोक दिया गया। मामला बढ़ता देख छह थानों की पुलिस व पीएसी तैनात कर दी गई। वहीं, गोंडा और बलरामपुर में स्थिति नियंत्रण में है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार शाम महसी तहसील की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था।

कैसे भड़की हिंसा?

एसपी वृंदा शुक्ला के मुताबिक, महसी तहसील के अंतर्गत महाराजगंज इलाके में मुस्लिम बहुल इलाके से जुलूस गुजर रहा था। इसी दौरान हिंसा भड़की और बवाल हो गया। इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है। पूरे घटनाक्रम में सलमान नाम के एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, सलमान के दुकान से ही गोली चली थी, जिसमें राम गोपाल की मौत हो गई।

दो महीने पहले हुई थी राम गोपाल की शादी

हिंसा में जान गंवाने वाले राम गोपाल के परिवार में उसके माता-पिता और एक बड़ा भाई है । रामगोपाल घर का छोटा बेटा था। उसकी शादी 2 महीने पहले हुई थी। उसके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, फिलहाल परिवार मुख्यमंत्री से मुलाकात पर अड़ा हुआ है और आरोपियों का एनकाउंटर करने की मांग कर रहा है। क्षेत्रीय विधायक सुरेश्वर सिंह ने परिवारजनों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया है कि मुख्यमंत्री से मुलाकात कराई जाएगी, दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा। इसके बाद परिवार अंतिम संस्कार करने के लिए राजी हो गया है ।

अखिलेश यादव ने घटना के पीछे की वजह बताई

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'मेरी अपील है कि कानून व्यवस्था बनी रहे। घटना दुखद है। सरकार को न्याय करना चाहिए। जिस समय ये जुलूस निकला उस समय पुलिस को इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि रूट पर सुरक्षा है या नहीं, पर्याप्त पुलिस की तैनाती है या नहीं। लाउडस्पीकर पर क्या बजाया जा रहा था? प्रशासन को इसका ध्यान रखना चाहिए था। शासन की चूक की वजह से ये घटना हुई'।

'यह दिल दहला देने वाली और दर्दनाक घटना है'

बहराइच हिंसा पर अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि रमैं बहराइच के निवासियों और समाज के सभी वर्गों से अपील करता हूं कि वे वहां शांति बहाल करने में योगदान दें। यह दिल दहला देने वाली और दर्दनाक घटना है। अगर पुलिस की तैयारी ठीक होती तो ऐसी घटना नहीं होती। प्रदेश में कानून-व्यवस्था और लोगों के बीच भाईचारा बनाए रखना सीएम और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : पुलिस का दावा- पुणे में रची गई थी साजिश, शूटर्स को दिए गए थे फोटो और प्लेक्स बैनर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई थी। हमलावरों को उनकी पहचान करने के लिए एक फोटो और एक फ्लैक्स बैनर प्रदान किया गया था। पुलिस ने सोमवार को यह बात कही। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने 66 वर्षीय नेता की हत्या की जांच के दौरान पुणे निवासी प्रवीण लोनकर और उसके भाई शुभम लोनकर की कथित भूमिका का खुलासा किया। पुलिस अधिकारी ने कहा, हत्या किस मकसद से की गई थी, यह तभी स्पष्ट होगा जब फरार आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे। पुलिस ने लोनकर भाइयों को इस अपराध का मुख्य आरोपी माना है। दोनों ने कथित तौर पर हमलावरों की फंडिंग की और हमले से पहले बैठकें कीं। अधिकारियों ने बताया कि प्रवीण, शुभम की डेयरी में काम करता था, जहां उसने शिवकुमार गौतम और धर्मराज कश्यप से संपर्क किया। ये दोनों एक नजदीक के स्क्रैप डीलर के यहां काम करते थे। साजिश के लिए कई दौर की बैठकें हुईं, जिसमें उन्हें काम को अंजाम देने के बाद पूरा भुगतान का वादा किया गया था। प्रत्येक हमलावर को पचास हजार रुपये पहले ही दे दिए गए थे। उन्होंने सिद्दीकी की दिनचर्या और घर का पता करने के लिए एक मोटरसाइकिल खरीदी। प्रवीण लोनकर पर आरोप है कि उसने दो हमलावरों को सिद्दीकी को निशाना बनाने के लिए बुलाया और पुलिस ने उन्हें उसके सहयोगी के रूप में पहचाना है। पुलिस ने अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें हरियाणा के गुरमेल बलजीत सिंह (23 वर्षीय), उत्तर प्रदेश के धर्मराज राजेश कश्यप (19 वर्षीय) और प्रवीण लोनकर शामिल हैं। पुलिस ने संदिग्ध हैंडलर मोहम्मद यासीन अख्तर और गौतम के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। गौतम पर आरोप है कि उसने बाबा सिद्दीकी के सीने में गोलियां मारी थीं।

बहराइच हिंसा पर सपा का सियासी साजिश वाला एंगल, रामगोपाल की मौत से पहले का वीडियो शेयर कर उठाए सवाल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में जारी हिंसा पर समाजवादी पार्टी ने एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो हिंसा में मारे गए गोपाल का मौत से कुछ देर पहले का है। साथ ही पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर हो रही हिंसा में राजनीति करने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- गोपाल एक मुस्लिम घर में जबरन घुसा, वहां से हरा झंडा उतारकर फेंक दिया और जबरन भगवा झंडा लहराया। समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाते हुए कहा- 'अब इस मासूम गोपाल के मन में ये करने का जहर किसने भरा ? कौन इस साजिश में शामिल है ये समझना कठिन नहीं है ,इस सबमें भाजपा और भाजपा के सत्तालोभी नेता शामिल हैं जो अगले चुनाव तक यूपी के माहौल को दंगा फसाद में झोंककर चुनाव जीतना चाहते हैं ,अंततः एक मासूम से दंगाई बने गोपाल ने भाजपाई सियासत के चक्कर में अपनी जान गंवा दी।'

बहराइच में प्रशासन की निष्क्रियता दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण : प्रियंका वाड्रा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा गांधी ने बहराइच हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए जनता से कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बहराइच, उत्तर प्रदेश में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। गौरतलब हो, बहराइच में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। आज भी जगह-जगह आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की है। पुलिस प्रशासन मामले को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहा है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी एवं राज्य प्रशासन से अपील करती हूं कि त्वरित एक्शन लेते हुए, जनता को विश्वास में लें और हिंसा रोकें। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। जनता से मेरी करबद्ध अपील है कि कृपया

कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। वहीं बहराइच में हुए बवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा जहां दंगा होता है, वहां पर जिला प्रशासन व सरकार फेल होती है। सभी मामलों में देश व प्रदेश की सरकार फेल हो चुकी है। राज धर्म का मतलब यह है कि हमारी प्रजा स्वतंत्र रहे, आनंदित रहे, संविधान और कानून का पालन हो और पालन कराया जाए। यह सरकार की नैतिक जिम्मेदारी होती है और उसमें यह सरकार विफल रही है। ये सरकार तो केवल जनता को डरा रही है कि बुलडोजर चला देंगे। कानून और नियम की परिधि में जो आए उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। राज्य सरकार हर मामले में विफल साबित हो रही है। कांग्रेस मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में 16 अक्तूबर को संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन आयोजित कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इसी की तैयारी की समीक्षा करने पहुंचे हैं। उधर, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी मामले पर बयान देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। दंगाइयों को संरक्षण देने वाले एक बार फिर सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन हमें सतर्क और सजग रहना होगा। प्रदेश के उज्जवल भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जाएगी और पीड़ितों को पूरा न्याय मिलेगा। सभी नागरिकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील करता हूं।

बुलडोजर एक्शन में नई याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज, कहा- मामला पहले ही बंद हो चुका है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें सरकारी अधिकारियों द्वारा लोगों के घर गिराए जाने की स्थिति में लोगों को मुआवजा देने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मामला पहले ही बंद कर दिया गया है और याचिकाकर्ता से याचिका वापस लेने को कहा, जो बाद में किया गया। याचिका में तर्क दिया गया कि जहां भी बुलडोजर कार्रवाई के कारण क्षति होती है, पीड़ितों को मुआवजा दिया जाना चाहिए और इसमें शामिल अधिकारियों के साथ-साथ प्रभावित लोगों के नाम भी सार्वजनिक किए

जाने चाहिए। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा, 'मामला पहले ही फैसले के लिए बंद हो चुका है। या तो आप इसे वापस ले लें, या हम इसे खारिज कर देंगे। इसके बाद वकील याचिका वापस लेने पर सहमत हो गए। 1 अक्टूबर को, सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण का हवाला देते हुए कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों से जुड़ी संपत्तियों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह प्रथा, जिसे अक्सर बुलडोज़र न्याय कहा जाता है, धर्म पर आधारित पूर्वाग्रह के आरोपों के साथ महत्वपूर्ण विवाद का विषय रही है। राज्य सरकारों ने तर्क दिया था कि विध्वंस अतिक्रमित भूमि पर स्थित या अवैध रूप से निर्मित इमारतों पर किया गया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण या अतिक्रमण के मामलों में इमारतों को गिराया जा सकता है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि किसी व्यक्ति के आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर कोई भी विध्वंस नहीं किया जाना चाहिए, भले ही किसी व्यक्ति को दोषी ठहराया गया हो। अदालत ने कहा कि राज्य सरकारों को अवैध रूप से निर्मित संरचनाओं को ध्वस्त करने के लिए उसकी अनुमति लेनी चाहिए।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : पुलिस का दावा- पुणे में रची गई थी साजिश, शूटर्स को दिए गए थे फोटो और प्लेक्स बैनर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई थी। हमलावरों को उनकी पहचान करने के लिए एक फोटो और एक फ्लैक्स बैनर प्रदान किया गया था। पुलिस ने सोमवार को यह बात कही।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने 66 वर्षीय नेता की हत्या की जांच के दौरान पुणे निवासी प्रवीण लोनकर और उसके भाई शुभम लोनकर की कथित भूमिका का खुलासा किया। पुलिस अधिकारी ने कहा, हत्या किस मकसद से की गई थी, यह तभी स्पष्ट होगा जब फरार आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे। पुलिस ने लोनकर भाइयों को इस अपराध का मुख्य आरोपी माना है। दोनों ने कथित तौर पर हमलावरों की फंडिंग की और हमले से पहले बैठकें कीं। अधिकारियों ने बताया कि प्रवीण, शुभम की डेयरी में काम करता था, जहां उसने शिवकुमार गौतम और धर्मराज कश्यप से संपर्क किया। ये दोनों एक नजदीक के स्क्रैप डीलर के यहां काम करते थे। साजिश के लिए कई दौर की बैठकें हुईं, जिसमें उन्हें काम को अंजाम देने के बाद पूरा भुगतान का वादा किया गया था। प्रत्येक हमलावर को पचास हजार रुपये पहले ही दे दिए गए थे। उन्होंने सिद्दीकी की दिनचर्या और घर का पता करने के लिए एक मोटरसाइकिल खरीदी। प्रवीण लोनकर पर आरोप है कि उसने दो हमलावरों को सिद्दीकी को निशाना बनाने के लिए बुलाया और पुलिस ने उन्हें उसके सहयोगी के रूप में पहचाना है। पुलिस ने अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें हरियाणा के गुरमेल बलजीत सिंह (23 वर्षीय), उत्तर प्रदेश के धर्मराज राजेश कश्यप (19 वर्षीय) और प्रवीण लोनकर शामिल हैं। पुलिस ने संदिग्ध हैंडलर मोहम्मद यासीन अख्तर और गौतम के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। गौतम पर आरोप है कि उसने बाबा सिद्दीकी के सीने में गोलियां मारी थीं।

संक्षेप

डम्फर ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, चालक घायल पिता ने पुत्री को गड़ासे से मारकर किया लहूलुहान, गंभीर

बल्दीराय-सुलतानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के पूरे कन्हई मजरे डोभियारा में एक पिता ने अपनी ही पुत्री को गड़ासे से लहूलुहान कर दिया। जानकारी के अनुसार हलियापुर थाना क्षेत्र के पूरे कन्हई मजरे डोभियारा निवासी दुर्गा प्रसाद की पुत्री कोमल यादव बाईस वर्ष जिसकी दो वर्ष पूर्व शादी हुई थी वह अपने मायके पूरे कन्हई मजरे डोभियारा आई हुई थी की सोमवार सुबह लगभग आठ बजे उसके पिता दुर्गा प्रसाद किसी बात को लेकर गुस्सा हो गये तथा गुस्से में अपनी पुत्री कोमल यादव पर गड़ासे से वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं पास में ही दुर्गा पूजा पंडाल पर आरती हो रही थी जब लोगों ने देखा तो दौड़कर पहुंचे और घायल कोमल को इलाज के लिए नजदीकी सौशैया अस्पताल पिठला कुमार गंज अयोध्या लेकर गए जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए अयोध्या ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी मामला संज्ञान में है अभी किसी की तरफ से तहरीर नहीं दी गई है।

दबंगों ने प्रधान व उसके भाई पर किया जानलेवा हमला

बछरावा, रायबरेली। पुरानी रंजिश के चलते ग्राम प्रधान व उनके दो भाइयों पर जानलेवा हमला किया गया। जिसमें चचेरे भाई सहित तीन लोग हुए। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। रविवार शाम अघौरा ग्राम प्रधान के चचेरे भाई मोनू पुत्र शीतला प्रसाद से पड़ोस के ही रहने वाले करण सिंह, व भरत सिंह पुत्र गण अमर सिंह के बीच बिगत दिनों किसी बात को लेकर वाद विवाद हुआ था। उस बात की रंजिश मे रविवार शाम प्रधान के घर के पास दुकान पर करन व भरत एवं उनके साथ अज्ञात करीब आधा दर्जन से अधिक लोग पहुंचे। और मोनू को गाली गलौज करते हुए, अपने घर की तरफ उठा ले गए। और उसे मारपीट कर घायल कर दिया। घटना की जानकारी होते ही ग्राम प्रधान उमेश कुमार व उनके भाई अजय कुमार पुत्र गण कन्हैया लाल भी भाग कर, चचेरे भाई को बचाने के लिए पहुंच गए। बचाने पहुंचे ग्राम प्रधान व उनके भाई पर दबंगो के द्वारा कुल्हाड़ी एवं लाठी डंडों से हमला कर दिया गया। जिसमें ग्राम प्रधान व उनके भाई भी गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट की जानकारी गांव में आग की तरफ फैल गई। और सैकड़ो की संख्या में लोग एकत्रित हो गए। मारपीट की घटना को अंजाम देने के बाद मारपीट करने वाले लोग मौके से फरार हो गए। सूचना पुलिस को दी गई वहीं घायल तीनों भाइयों को एंबुलेंस की सहायता से बछरावां अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हे जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। जहां गंभीर अवस्था में तीनों का इलाज किया जा रहा है। ग्राम प्रधान उमेश कुमार ने बताया है, मेरे चचेरे भाई से किसी बात को लेकर पड़ोस के ही रहने वाले लोगों से विवाद हुआ था। उसी रंजिश को लेकर इन लोगों के द्वारा चचेरे भाई पर हमला किया गया तथा बचाने गए हम दोनों भाइयों को भी घायल कर दिया गया। घटना की सूचना तहरीर के माध्यम से बछरावां पुलिस को दी गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। इस बाबत थाना प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है आगे की विधिक कार्यवाही की जा <
रही है।

ट्यूबवेल में अराजकतत्वों ने की तोड़फोड़

ऊंचाहार, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र में ट्यूबवेल में अराजकतत्वों द्वारा तोड़फोड़ किये जाने का मामला सामने आया है, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मामला ईश्वरदासपुर गाँव का है, गाँव निवासी बालेन्द्र सिंह का कहना है कि गाँव के पास उनका ट्यूबवेल हैं, जहां रविवार की रात आरोप है कि तीन लोगों ने बोरिंग पाइप व सेफ्टी वायर को तोड़कर पूरे ट्यूबवेल को क्षतिग्रस्त कर दिया, गाँव के एक युवक को नामज़द करते हुए तीन लोगों के विरुद्ध मामले की तहरीर दी गई है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कराकर आवश्यक कार्यवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट का किया निरीक्षण, दिया साफ सफाई का निर्देश

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने सोमवार को जन सुनवाई, जनता दर्शन में आए लोगों की विभिन्न प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करने के उपरांत कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर साफ सफाई सहित विभिन्न कार्यालयों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन सुनवाई के दौरान कोई भी शिकायतकर्ता अगर आता है तो उसकी शिकायत का तत्काल संज्ञान लेते हुए नियमानुसार निस्तारण किया जाए। समस्त अधिकारी जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुने तथा उसका निस्तारण करें शासन के मंशानुरूप जन समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर रखते हुए जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। सभी कार्यालयाध्यक्ष प्रातः 10 बजे से जनता दर्शन के दौरान अपने क्षेत्र की समस्याएं सुनें एवं शिकायतकर्ता की समस्या को स्वतः संज्ञान ले और उसका नियमानुसार संवेदनशील होकर निस्तारण करें। उन्होंने कलेक्ट्रेट के निरीक्षण के दौरान नजारत, जिला आपूर्ति कार्यालय, कलेक्ट्रेट प्रांगण, भूलेख रिकॉर्ड रूम सहित कलेक्ट्रेट सभागार व अन्य कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर संबंधित कार्यालयाध्यक्षो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने साफ- सफाई व्यवस्था को और चुस्त दुरुस्त रखने, विद्युत संयोजन व्यवस्था को बेहतर करने, अग्नि के सुरक्षात्मक उपायों के दृष्टिगत फायर एक्सटिंगुशर आग बुझाने के यंत्र को अद्यतन करते हुए आवश्यतानुसार रीफिल कराने, कलेक्ट्रेट के बाह्य परिसर के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आगंतुकों, आए हुए गणमान्यों के लिए पार्किंग व्यवस्था निर्धारित करने सहित निष्प्रयोज्य, अनुपयोगी उपकरणों,सामानों को नीलामी कराने व रिकार्ड रूम में सीसीटीवी कैमरे की संख्या बढ़ाने तथा उचित स्थान पर लगाने एवं परगना, तहसीलवार, पत्रावलियों को बेहतर रख रखाव के संबंध में प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कुल नक्शे, डिजिटलाइज्ड नक्शे, कुल ग्राम, आबाद तथा गैर आबाद ग्रामों की संख्या का एक संक्षिप्त विवरण बना लें। जिससे की रिकॉर्ड रूम में उपस्थित अभिलेखों को आसानी से समझा जा सकें।

भरत मिलाप के दृश्य ने किया भाव विभोर

अयोध्या की विभिन्न रामलीला में भरत मिलाप के हुए कार्यक्रम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। 14 वर्ष के वनवास के उपरांत भगवान भरत की प्रतीक्षा आज समाप्त हुयी.जैसे ही प्रभु श्रीराम के चरण भरत के आश्रम के बाहर पड़े, भगवान भरत सहित उनके आगमन और दर्शन की प्रतीक्षा को आतुर समस्त अयोध्या वासियों की आंखें खुशी से भर आई। अपने प्राणों को त्याग करने की प्रतिज्ञा आतुर भरत जी तुरंत ही भगवान के दर्शन को दौड़े आए और उनके चरणों मैं नतमस्तक हो गए। प्रभु श्री राम ने भरत को अपने गले से लगा लिया। समस्त ऋषि-मुनि, देवता, गंधर्व और समस्त अयोध्या वासी भगवान की जयकार करने लगे। यह दृश्य अयोध्या की विभिन्न रामलीला में भरत मिलाप के कार्यक्रमों के हैं। चौक टकसाल रामलीला कमेटी के अध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल और मंत्री घनश्याम अग्रवाल रामलीला आयोजन की पूरी व्यवस्था को देख रहे थे उनके साथ समिति के अन्य पदाधिकारी श्री विष्णु कुमार, सचिन अग्रवाल, सूरज नारायण अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल, संजय रस्तोगी, दिलीप यादव,अशोक सिंह पूरा सहयोग प्रदान कर रहे थे। इसी प्रकार चौक कोठापार्चा की रामलीला के अध्यक्ष सिद्धार्थ महान उपाध्यक्ष आशीष महेंद्रा, महामंत्री राम जी सोनी और धनंजय कौशल की देखरेख में भी भरत मिलाप के यही दृश्य जनता को भाव विभोर कर रहे थे।कोठापार्चा रामलीला के अन्य पदाधिकारी किशन सोनी,राजेंद्र सिंह वैभव, कन्हैया लाल यादव और रवि साहू के साथ भानु प्रताप अग्रहरी आदि तमाम

कार्यकर्ताओं के प्रयास से भरत मिलाप का ऐतिहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। साहबगंज रामलीला के अध्यक्ष नीरज पाठक के नेतृत्व में भरत मिलाप का भव्य मंचन श्री राम जानकी मंदिर साहब गंज में संपन्न हुआ उनके साथ पाटनदीन गुप्ता, रानू द्विवेदी,दीपक पांडे,चंदन गुप्ता सहित तमाम कार्यकर्ता कार्यक्रम को सुचारू ढंग से संपन्न कराने में लगे रहे। रामलीला फतेहगंज में प्रेमनाथ राय, नीरज सिंघल, अजय जायसवाल, अरुण बंसल, अशोक गुप्ता आदि तमाम पदाधिकारी भरत मिलाप के भव्य मंचन की व्यवस्था के लिए लगे रहे जिसके परिणाम स्वरूप दर्शकों को त्रेता युग में होने का अहसास हुआ। रामलीला कमेटी हैदरगंज की रामलीला में इसी तरह के भावपूर्ण दृश्य अध्यक्ष सौरभ श्रीवास्तव तथा अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसी प्रकार शंकरगढ़ की रामलीला के मंचन में अध्यक्ष हनुमान प्रसाद तथा अन्य पदाधिकारी जी जान से कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे रहे। केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल और केंद्रीय समिति के अन्य पदाधिकारी प्रत्येक रामलीला स्थल पर बारी बारी पहुंचकर व्यवस्था को देखने के साथ आयोजन समिति के पदाधिकारियों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया कि भगवान राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत प्रथम बार आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और आम जनता में अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। अयोध्या की जनता अपने प्रभु श्री राम के दर्शन को व्याकुल थी, आज 14 वर्ष के पश्चात भगवान का दर्शन करके के उद्देश्य से समस्त अयोध्यावासी प्रसन्नता पूर्वक रामलीला के कार्यक्रमों में शामिल रहे। केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति ने शोभायात्रा का सुभाषनगर स्थित कार्यालय पर भव्य स्वागत किया। समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल के साथ गगन जायसवाल, प्रेमनाथ राय, केशव बिगुलर, सुप्रीत कपूर, राजेश गौड़, अतुल सिंह, बजरंगी साहू, अखिलेश पाठक, अजय विश्वकर्मा, जनार्दन पाण्डे, रोहित अग्रवाल, विशाल गुप्ता, अखिलेश वैश्य, अंकुश गुप्ता, रवींद्र यादव, अवधेश अग्रहरि, तरुण गुप्ता डंपी आदि पदाधिकारियों ने प्रभु श्री राम की आरती उतारी। चौक टकसाल की रामलीला के भरत मिलाप के कार्यक्रम के बाद भगवान श्रीराम की शोभायात्रा भी निकाली गई जिसका पूरे नगर में जगह जगह आरती करके स्वागत किया गया।

भरत और राम के मिलन को देख भाव विभोर हुए दर्शक

श्री राम भरत मिलाप समिति का भव्य आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। सैकड़ो वर्ष पुराने परंपरागत श्री राम भरत मिलन कार्यक्रम का रविवार को शहर के शाहगंज चैराहे पर स्थित मंच पर भव्य मंचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सीआरपीएफ के डीआईजी समेत कई अतिथियों ने प्रभु श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पूजा अर्चना के साथ की।

राष्ट्रीय भजन गायक राकेश्वर व रामेश्वर मालवीय ग्रुप द्वारा प्रभु श्री राम के भजनों की प्रस्तुति की गई वहीं आकर्षक झांकियो ने मौजूद हजारों दर्शनाथियों का मन मोह लिया। भोर में प्रभु राम लक्ष्मण सीता व हनुमान व महर्षि वशिष्ठ के साथ भरत व शत्रुघ्न मंच पर पहुंचे जहां चारों भाइयों का मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस पल को देखने के लिए सैकड़ो की संख्या में नगर वासी मौजूद रहे। पुलिस प्रशिक्षण अकादमी

के अधीक्षक बृजेश मिश्रा केंद्रीय पूजा व्यवस्था समिति के संरक्षक राजेंद्र सेठ उर्फ़ रज्जनसेठ अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडे बजरंगी भाजपा नेत्री मनीषा पांडेय आलोक आर्य सीआरपीएफ डीआईजी बाबूराम उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के मंडल सचिव अमर बहादुर सिंह भाजपा नेता अंश द्विवेदी सौरभ त्रिपाठी सरदार बलदेव सिंह नारायण कसौधन अशोक गौतम राजेश तिवारी वरुण मिश्रा अनिल द्विवेदी हर्ष द्विवेदी दीपक मिश्र अनुराग मिश्र नि सभासद राजदेव शुक्ल बेनू अंबुज मिश्र लाल जि कसौधन समेत दर्जनों अतिथियों की मौजूदगी में श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष आयुष मिश्रा चेतन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आचार्य दीपक त्रिपाठी ने समिति के संरक्षक प्रवीण कुमार अग्रवाल व अन्य अतिथियों के साथ मंत्रोंचार करते हुए भगवान श्री राम की स्तुति की यहाँ मंच से सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह देकर समिति की ओर से सम्मानित किया गया। बताते चले समिति के अध्यक्ष आयुष मिश्रा चेतन स्वर्गीय राधे रमण मिश्रा वैद्य जी के नाती हैं और तीसरी पीढ़ी के रूप में श्री राम भरत मिलाप आयोजन समिति को सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं। सभी अतिथियों ने उनके सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए उनके इस आयोजन को सराहा है। वही राकेश वर्मा मालवीय ग्रुप के भजनों पर देर रात तक दर्शक छिड़कते रहे आकर्षक झांकिया ने सभी में उत्साह बनाए रखा एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी क्षेत्राधिकार प्रशांत सिंह नगर कोतवाल नारद मुनि सिंह प्रभु श्री राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न वह महर्षि वशिष्ठ के रातों को पांच रास्ते से हथेली बाजार अनु चैराहा बाद मंडी चैक गल्ला मंडी डाकखाना चैराहा होते हुए शाहगंज चैराहे के मुख्य आयोजन स्थल पर लेकर पहुंचे जहां विधिवत चारों भाइयों के मिलन के बाद मंच से पालिका अध्यक्ष व समिति के संरक्षक प्रवीण कुमार अग्रवाल अमर बहादुर सिंह समेत दर्जनों लोगों ने प्रभु श्री राम की आराधना की आरती उतारी मिष्ठान वितरण करते हुए कार्यक्रम को संपन्न किया। इस दौरान श्री रामलीला कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रतिबंधित 70 लाख की मॉर्फिन के साथ होमगार्ड के बेटे समेत दो शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर/अमेठी। अपराध का पर्याय बने दो शातिर बदमाशों को 70 लाख की मॉर्फिन की अवैध तस्करी में मुसाफिरखाना पुलिस ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। पूरा मामला सुल्तानपुर जिले के कुड़वार थाना क्षेत्र अंतर्गत बहमरपुर ग्राम पंचायत से जुड़ा हुआ है। जहां के निवासी प्रेम शंकर उर्फ गुडुल्ले पुत्र जगतपाल और विवेक मिश्रा पुत्र सुरेश मिश्रा निवासी बहमरपुर थाना कुड़वार को मुसाफिरखाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। विवेक के पिता सुरेश सुल्तानपुर जिले के कुड़वार थाने में होमगार्ड के रूप में तैनात बताए जा रहे हैं। इनके ऊपर 7 से 8 लूट समेत अन्य गंभीर मामले के मुकदमे पंजीकृत किए जा चुके हैं। बताया जा रहा है कि कुड़वार थाना क्षेत्र में भी यह अवैध रूप से मार्फीन की बिक्री लंबे समय से करते रहे हैं। लेकिन कुड़वार थाना पुलिस मार्फिन की तस्करी में कार्रवाई की बजाय अपनी नज़रें अभी तक बचाती रही है। अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाल विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मार्फिन ढाई सौ ग्राम से अधिक बरामद की गई है। प्रेम शंकर और विवेक मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की जा रही है।

गायत्री महायज्ञ की पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सगरा सुंदरपुर। लक्ष्मणपुर विकासखंड के लीलापुर साहबगंज स्थित जयराजि कुंवरि बाबा पारस पाल सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे नव दिवसीय कुंडली महायज्ञ एवं दीप यज्ञ के पूर्व कलश यात्रा निकाली गई ,कलश यात्रा की शुरुआत कॉलेज परिसर से हुई जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा सिर पर कलश रखकर डीजे के मधुर भजनों के साथ पुष्प वर्षा करते हुए निकाली गई उसके कलश यात्रा लीलापुर चौराहा पहुंचीतथा वापस खरगपुर, पेट्रोल टंकी, पुलिस चौकी , सुखपति राम इंटर कॉलेज होते हुए कॉलेज परिसर में पहुंची । कलश यात्रा का नेतृत्व प्रमुख प्रवक्ता मुकेश कटारिया शांतिकुंज हरिद्वार ने किया , स्वागत विद्यालय के व्यवस्थापक गणेश प्रताप सिंह काशी व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दुर्गेश प्रताप सिंह

तथा आभार प्रदर्शन जिला पंचायत प्रतिनिधि कमलेश बहादुर सिंह ने किया । इस अवसर पर बबलू सिंह, प्रिंसिपल राघवेंद्र प्रताप सिंह ,एकाउंटेंट साकेत शुक्ल, अरविंद त्रिपाठी, अंकित सिंह, अमित, संतोष, सरिता, शालिनी, मनीष कसेरा, सलाउद्दीन ,तासीर अहमद मौजूद रहे।

आनलाइन हाजिरी को लेकर स्वास्थ्य कार्यकत्रियों ने सीएचसी प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

सोहावल-अयोध्या। शासन द्वारा जारी स्वास्थ्य कार्य कत्रियों की आनलाइन हाजिरी को लेकर विरोध के स्वर सुनाई देने लगे हैं। इसे अव्यवहारिक और परेशानी दायक बताकर विरोध जताते हुये सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की कार्यकत्रियों ने मुख्य चिकित्साधिकारी को संबोधित ज्ञापन सीएचसी प्रभारी पीसी भारती को सौंपा है। 23 से ज्यादा महिला स्वास्थ्य कर्मियों में आशा बहुएं भी शामिल रहीं।जिनका आरोप है कि शासन के जारी निर्देश में ए एन एम के साथ यू पी के एस के पोर्टल पर दो फोटो एक सी एच सी के अन्दर की एक सी एच सी के बाहर की आन लाइन हाजिरी देते हुए रोज अपलोड कर पाना संभव नहीं है। इन कार्यकत्रियों को ज्यादातर समय फील्ड में कार्य करना पड़ता है। शासनादेश और आनलाइन अटेंडेंस कि यह व्यवस्था कार्यकत्रियों को संकट और परेशानी में डालने वाला है।

चिकित्सा शिविर का सीएमओ व सीएमएस ने किया शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जनपद की ऐतिहासिक दुर्गा पूजा अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंच रही है, जगह-जगह भंडारे, खोया-पाया कैंप, चिकित्सा शिविर लगाकर मेलार्थियों की सेवा में लगे है। इसी क्रम में रविवार को देर शाम डाकखाने चैराहे पर प्रताप सेवा समिति के द्वारा दर्शनार्थियों के लिए चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डां.ओपी चैधरी व मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.एसके गोयल के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए कहाकि मेले में खुले मे बिकने वाली चीजो के उपयोग से बचे, खान-पान का विशेष ध्यान रखे, यदि आपको शारीरिक दिक्कत हो तो चिकित्सा शिविर पर आकर डाक्टरों से संपर्क करें, अपनी जांच कराए व डाक्टर द्वारा दिए गए परामर्श व दवाओं का उपयोग करें। वही मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.एसके

गोयल ने कहाकि मरीजों को तेज ध्वनि से बचने की आवश्यकता है, यदि आपको लगता है कि आपको शारीरिक समस्या आ रही है, तो फौरन चिकित्सा शिविर पर पहुंचकर डाक्टर को दिखाए तथा दी गई दवाओं का इस्तेमाल करे। उक्त अवसर पर प्रताप सेवा समिति के सचिव विजय विद्रोही ने आए हुए मुख्य अतिथि व मौजूद लोगो का आभार व्यक्त किया। चिकित्सा शिविर के उद्घाटन के अवसर पर दुर्गापूजा समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश बजरंगी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह'छग्गू', सोना संदेशे संपादक बीसी मिश्रा वैद्य, फार्मासिस्ट लक्ष्मण स्वरूप, डां.अशोक मिश्र, अखिलेश मिश्रा, सत्य प्रकाश गुप्ता, सीमा श्रीवास्तव, अर्चना सिंह, इरफान, अर्चना दूबे, स्वैतम् सहित गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही।

दुर्गा पूजा पंडाल में चोरों ने किया हाथ साफ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मिल्कीपुर-अयोध्या। खण्डासा थाना क्षेत्र के सिधारी बाजार में दुर्गा पूजा पंडाल में अज्ञात चोरों ने मां दुर्गा की प्रतिमा की माला चोरी कर ली। माला की कीमत लगभग दस हजार रुपये है। सिधारी बाजार में नवदुर्गा पूजा समिति पंडाल में चोरी की घटना ने लोगों को झकझोर दिया है। यह पहली बार है जब पंडाल में चोरी हुई है, जहां 35 वर्षों से दुर्गा पूजा आयोजित की जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने अज्ञात चोरों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक खण्डासा पुलिस चौकी क्षेत्र के सिधारी बाजार स्थित हनुमानगढ़ी के पास नवदुर्गा पूजा समिति द्वारा पंडाल में दुर्गा प्रतिमा स्थापित की गई थी। बीती रात करीब 1:30 बजे तक बाजार वासी समिति के सदस्यों द्वारा भजन कीर्तन किया गया इसके बाद लोग पंडाल में

पर्दा लगाकर सोने के लिए चले गए। सुबह जब लोगों ने पंडाल का पर्दा खोल तो माता रानी की प्रतिमा को देखकर दंग रह गए क्योंकि उनके गले में पहनाया गया इक्कीस सौ की दो माला तथा 5100 सौ रुपए की एक माला प्रतिमा से गायब थी। जिसकी सूचना सदस्यों ने थाना खण्डासा पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमेटी के सदस्यों से पूछताछ करते हुए हनुमान मंदिर समेत आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को पुलिस देख रही है। दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने चोरी की घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह घटना हम सभी के भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है। चौकी प्रभारी खण्डासा प्रशांत शर्मा से जब घटना के संबंध में जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि दुर्गा प्रतिमा रखने वाली कमेटी को पहले ही अवगत कराया गया था, कि कमेटी के वॉलिंटियर रात में निगरानी करते रहे लेकिन वे लोग सो गये इसी बीच घटना हो गयी।

भरत मिलाप का कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित

उतरौला (बलरामपुर)। उतरौला में भरत मिलाप का कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें भगवान श्री राम चंद्र जी, माता जानकी जी, लक्ष्मण जी, और हनुमान जी नगर भ्रमण पर निकले। कार्यक्रम का आरंभ चौहानडीह से हुआ और उन्होंने आलावरपुर, कामरियादास बाबा मंदिर, काली माता मंदिर, राम जानकी मंदिर, अल्ला नगर, आर्य नगर, गांधी नगर, छिपिया, आसाम रोड चौराहा, शिवाजी पुरम, गोंडा मोड़, और हनुमान गढ़ी होते हुए भरत मिलाप गद्दी, जो बड़ी मस्जिद के पास स्थित है, की ओर प्रस्थान किया।

भरत मिलाप गद्दी पर पहुंचकर राम जी ने हनुमान जी को भरत का कुशलक्षेम जानने के लिए भेजा। इसके बाद हनुमान जी ने संदेशा भेजकर भरत जी को अवगत कराया कि राम जी अयोध्या लौट रहे हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर चारों भाई, माता जानकी, और हनुमान जी का भव्य स्वागत किया गया।

दीपोत्सव के लिए इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्य व प्रतिनिधियों को किया प्रशिक्षित

-दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए 37 इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्य व प्रतिनिधि हुए प्रशिक्षित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप रामनगरी के आठवें दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों एव प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देश पर सोमवार कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में 37 इण्टर कालेजों के प्राचार्यो एवं प्रतिनिधियों को पीपीटी एवं वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में दीपोत्सव नोडल समन्वयक प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन व जिला प्रशासन के समन्वय में

विश्वविद्यालय का आठवां दीपोत्सव भव्य होगा। राम पैड़ी के 55 घाटों पर 25 लाख दीए प्रज्ज्वलित किए जायेंगे। जिसके लिए घाटों पर 28 लाख दीए सजाये जायेंगे।

कार्यक्रम में प्रो0 मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव के विश्व कीर्तिमान के लिए विवि परिसर सहित 14 महाविद्यालय, 37 इण्टर कालेज, 40 एनजीओ के 30 हजार स्वयेसवक लगाये जायेंगे। सभी घाटों के मैपिंग का कार्य सम्पन्न किया जा चुका है। 20 अक्टूबर तक मार्किंग का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो0 मिश्र ने प्राचार्यो एवं प्रतिनिधियों को बताया कि राम की पैड़ी के सभी घाटों पर 16 गुणे 16 ब्लाक में 30 एमएल दीए में 30 एमएल सरसों को इस्तेमाल किया जायेगा। इसके लिए स्वयंसेवकों को एक लीटर का बोतल दिया जायेगा। घाट प्रभारी की देखरेख में बड़ी सावधानी से दीए में तेल डालेंगे। उन्होंने बताया कि दीपोत्सव में सहभागिता के लिए पंजीकरण का कार्य 15 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जायेगा। 20 अक्टूबर से स्वयंसेवकों का आईकार्ड का वितरण शुरू कर दिया जायेगा। 24 अक्टूबर से घाटों पर सामग्री पहुँचाने व 25 अक्टूबर से स्वयंसेवकों द्वारा घाटों पर दीए लगाने का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। 29 अक्टूबर से घाटो पर लगे दीए की गणना होगी। वही 30 अक्टूबर को घाटों पर लगे दीयों में बाती, तेल डालना व प्रज्ज्वलन करके विश्व रिकार्ड बनायेंगे। इस प्रशिक्षण में डॉ0 अनुराग सोनी व डॉ0 संदीप रावत ने पीपीटी के माध्यम से घाटों की मार्किंग, दीयों को बिछाना, बाती लगाना, दीपों में बोतल से तेल डालना, खाली तेल के बोतल को गत्ते में डालना, दीपो को तय समय पर जलाना व अनुशासन में रहते हुए दीपोत्सव स्थल छोड़ने का प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण में इण्टर कालेज के नोडल डॉ0 बंसत कुमार, इंजीनियर अंकित श्रीवास्तव सहित इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्य एव प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मातृशक्ति की निगरानी में हो रहे मनरेगा कार्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में गाँवों के विकास और प्रगति को लेकर ग्राम्य विकास विभाग लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पूरी तत्परता के साथ पहुंचाया जा रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत महिलाओं के कल्याण के लिए भी कई कदम उठाये गये हैं। विभाग द्वारा महिला मेटों को जोड़ने की प्रकिया जारी है और मनरेगा में महिलाओं की सहभागिता तेजी से बढ़ी है। मनरेगा योजना अंतर्गत 20 या 20 से अधिक श्रमिकों वाले मनरेगा कार्यस्थल पर पर्यवेक्षण हेतु महिला मेट का नियोजन किया जाता है। चयनित महिला मेटों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है। महिला मेटों को प्रशिक्षण विकास खण्ड स्तर पर दिया जाता है।

ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला मेटों के चयन के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों के क्रम में बड़ी संख्या में महिला मेटों को नियोजित किया गया है। चालू वर्ष में अब तक 66,454 महिला मेटों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका हैं, जिनमें से अब तक 28,383 महिला मेटों को नियोजित किया गया है। प्रदेश में महिलाओ को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाते हुए उनके सशक्तीकरण के लिए सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। मनरेगा योजना के अंतर्गत महिलाओं की सहभागिता को लगातार बढ़ाने का प्रयास जारी है, योजनांतर्गत महिला मेटों को नियोजित करने में उत्तर प्रदेश, देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मनरेगा महिला मेटों को नियोजित करने में देश में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्यों में है। उत्तर प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के तहत महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीण रोजगार योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी 2019-20 और 2020-21 में 34 प्रतिशत रही, वर्ष 2021-22 में 37 प्रतिशत रही, वर्ष 2022-23 में 38 प्रतिशत रही और वर्ष 2023-24 में बढ़कर औसतन 42.27 प्रतिशत हो गई है, वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह औसत बढ़कर करीब 43 प्रतिशत हो गया, जो प्रतिशत में अब तक का सबसे अधिक है। आयुक्त, ग्राम्य विकास उ0प्र0 जी०एस० प्रियदर्शी ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि महिला मेटों के नियोजन में किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाये। मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों में नियमानुसार महिला मेटों को नियोजित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। मनरेगा में महिलाओ की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करेगी योगी सरकार, 'तीसरी आंख' बनेगी आधार

227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए ग्रेटर नोएडा के 357 लोकेशंस पर की जाएगी हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) की जल्द स्थापना होगी, जो ग्रेटर नोएडा के यातायात प्रबंधन और सुरक्षा में 'तीसरी आंख' के तौर पर कार्य करेगा। परियोजना के अंतर्गत, 227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए ग्रेटर नोएडा के 357 लोकेशंस पर की जाएगी हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना की जाएगी जिससे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चप्पे-चप्पे की निगरानी हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि आईएसटीएमएस की स्थापना के जरिए क्षेत्र के यातायात प्रबंधन को अधिक कुशल व सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न तकनीकों की एकीकरण प्रक्रिया पर फोकस किया जाएगा। इस परियोजना में एक व्यापक यातायात प्रबंधन प्रणाली, वीडियो निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली व सार्वजनिक सूचना प्रणाली विकसित होगी। वहीं, प्रक्रिया के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसी) की भी होगी स्थापना जिससे नागरिकों व यहां आने वाले आगंतुकों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वार इस प्रक्रिया को पूरा कराया जाएगा।

12 महीने में आईएसटीएमएस प्रणाली को किया जाएगा लागू

इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) को सेफ सिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एससीएमसी) नाम से भी जाना जाता है। आईटीएमएस का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और यातायात प्रबंधकों को नागरिकों, संपत्तियों, यातायात प्रवाह और यातायात भीड़/घटनाओं के बारे में वास्तविक समय और पूर्वानुमानित जानकारी प्रदान करना है। समाधान को विशेष रूप से महिला, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नागरिक सुरक्षा में सुधार लाने के साथ-साथ अनुकूली नियंत्रण और विश्लेषण के माध्यम से शहरी सड़कों की सुरक्षा और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किया जाएगा। वीडियो निगरानी कैमरों, स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल नियंत्रण, गतिशीलता में आसानी, आपातकालीन सेवाओं का प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स, रूटिंग और डिस्पैचिंग सेवाएं, सार्वजनिक सूचना प्रणाली आदि को प्रक्रिया के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा। यातायात प्रबंधन प्रणाली में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों के पारिस्थितिकी तंत्र के उचित कामकाज के लिए सभी आवश्यक घटक होंगे। प्रक्रिया के अंतर्गत 12 महीने के अंदर आईटीएमएस प्रणाली को रोलआउट करने का टाइम पीरियड निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि नोएडा व गाजियाबाद में पहले से ही इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली को लागू किया जा चुका है।

अपराध नियंत्रण का बनेगा माध्यम, पब्लिक सेफ्टी में होगा इजाफा

सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाते हुए, परियोजना के अंतर्गत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट के जरिए रियल टाइम टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग की जाएगी जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। प्रणाली के लागू होने से ट्रैवल टाइम में कमी लाने में मदद मिलेगी।

चौराहों पर यातायात के सामान्य प्रवाह को विनियमित और बनाए रखने के लिए परिवहन बुनियादी ढांचे की दक्षता में वृद्धि की जाएगी जिससे भीड़भाड़ में कमी, यात्रा समय में कमी, ईंधन की खपत व कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। ऑपरेशनल एफिशिएंसी में बढ़ोत्तरी, कस्टमर सर्विसेस में इजाफा, रियल टाइम इनफॉर्मेशन एक्सेस, यूजर फ्रेंडली इंटरफेस तथा इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) को लागू करने का माध्यम बनेगा।

इन फीचर्स से लैस होगा इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर...

परियोजना के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जाएगी जिसके जरिए इन फीचर्स का लाभ मिल सकेगा...

-अडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम (एटीसीएस)
-वीडियो सर्विलांस कैमरों की सेफ सिटी इनीशिएटिव के तौर पर स्थापना व इसकी मॉनिटरिंग का डैशबोर्ड
-ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम (एएनपीआर)
-रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन (आरएलवीडी) सिस्टम
-व्हीकल व ट्रैफिक डिटेक्शन सिस्टम (वीटीडीएस)
-वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले बोर्ड्स (वीएमडी)
-ट्रैफिक वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम (टीवीडीएस)
-एआई बेस्ड वीडियो एनालिटिक्स (एआईवीए)
-पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीएएस)
-इमर्जेंसी कॉल बॉक्स (ईसीबी) सिस्टम
-ई-चालान सिस्टम
-पिंक बूथ की मॉनिटरिंग
-इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर युक्त डाटा सेंटर
-पब्लिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीआईएस) तथा वेब व मोबाइल एप्लिकेशन बेस्ड कंटेंट
-इमर्जेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम (ईआरएस-डायल 112) के साथ इंटीग्रेशन
-ग्रेटर नोएडा के एप्स के साथ इंटीग्रेशन
-सोशल मीडिया हैंडल्स के साथ इंटीग्रेशन
-पब्लिक एंड व्हीकल ट्रांसपोर्ट प्रायोरिटी सिस्टम व फास्ट इमर्जेंसी व्हीकल प्रीम्पशन सिस्टम

दीपोत्सव में झारखंड से दीप जलाने पहुंचेंगे 150 आदिवासी

» **अयोध्या में 25 लाख दीपों का रिकॉर्ड बनाने के लिए बिछाए जाएंगे 28 लाख दीप**

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासनिक खेमे के अलावा डॉ राम मनोहर लोहिया विवि ने भी इस दिशा में युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। इस बार दीपोत्सव कुछ खास ही होने वाला है। इसमें झारखंड के 150 आदिवासी भी दीप जलाने के लिए पहुंच रहे हैं। यह आदिवासी स्वयंसेवक के रूप में घाटों पर जुटेंगे। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में 2017 से राम की पैड़ी पर दीपोत्सव की शुरुआत हुई थी। उसके बाद से यहां दीपोत्कीसव के जरिए प्रतिवर्ष नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। ऐसे में, इस बार मुख्यमंत्री ने 25 लाख दीये जलाने का ऐलान किया है जिसके लिए 28 लाख दीपों को सरयू नदी के किनारे तटों पर बिछाया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अयोध्या नगरी को सजाने के काम शुरू कर दिया गया है।

10 हजार स्थानीय नागरिकों को भी मिलेगा मौका

राम की पैड़ी पर इस बार स्थानीय नागरिकों को भी शामिल करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए वहां पर चौड़े-चौड़े प्लेटफॉर्म वाली सीढियां बनाई जा रही हैं, जो बिल्कुल स्टेडियम की तरह है।

बढ़ाई गई घाटों की संख्या, 51 से हुए 55

इस बार दीयो की संख्या बढ़ते ही घाटों की संख्या बढ़ा दी गई है। 51 से 55 कर दिया गया है। चौधरी चरण सिंह व भजन संध्या स्थल व अन्य घाटों को दीप जलाने के लिए शामिल किया गया है। वहीं 90 हजार लीटर सरसो के तेल के प्रयोग होने की बात बताई जा रही है।

40 लाख रुई बाती का होगा इस्तेमाल

दीपोत्सव में दीयो की संख्या बढ़ते ही रुई की बाती का इंतजाम भी किया जाने लगा है। बताया जाता है 40 लाख रुई की बाती लगेगी। स्वयंसेवक 25 से राम की पैड़ी के घाटों पर दीये बिछाने का कार्य शुरू कर देंगे।

और भी भव्य होगा दीपोत्सव

दीपोत्सव के नोडल अधिकारी डॉ एसएस मिश्र ने बताया हमारी तैयारियां तेजी से चल रही है। इस बार श्री राम भव्य महल में विराजमान हुए हैं। इसलिए दीपोत्सव को और भी भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

वाहन स्वामी घर बैठे इन सेवाओं का लाभ ले सकते है-परिवहन आयुक्त

लखनऊ। आमजनमानस को वाहन संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के लिए परिवहन विभाग ने 09 सेवाओं को आधार प्रमाणिकरण के माध्यम से लाइव कर दिया है। इसे वाहन स्वामियों को भागदौड़ की परेशानी से छुटकारा मिलेगा और घर बैठे विभिन्न सुविधाएं प्राप्त हो सकेगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन मंत्री ने विभाग को इन सुविधाओं को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने आज दी। उन्होंने बताया कि इन 09 सेवाओं में डुप्लिकेट आर०सी०, विशेष परमिट, आर०सी० विवरण, डुप्लिकेट परमिट, डुप्लिकेट फिटनेस सर्टिफिकेट, डुप्लिकेट डीएल, डीएल में पता परिवर्तन, डीएल प्रतिस्थापन एवं डीएल एक्सट्रैक्ट को आधार प्रमाणिकरण के माध्यम से लाइव कर दिया गया है।

किसान हित में आलू बीज की विक्रय दरों में की गई कमी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार में किसान हित के दृष्टिगत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान देने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के किसानों एवं आलू उत्पादकों के हित को देखते हुए वर्ष 2024-25 के लिए आलू बीज वितरण व विक्रय की दरें निर्धारित करने में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजकीय आलू बीज की उपलब्धता कृषकों को सुगम बनाए जाने के उद्देश्य से प्रदेश के किसानों को बीजोत्पादन के लिए विक्रय हेतु विभागीय दरों में 500 रुपये प्रति कुन्तल की दर में कमी करके विक्रय दर (शोध संस्थाओं एवं सरकारी संस्थाओं को छोड़कर) निर्धारित कर दी गई है। उद्यान मंत्री सिंह ने बताया कि निर्धारित दरों के अनुसार अब आधारित प्रथम आलू 2995 रूपये प्रति कुंतल, आधारित द्वितीय आलू 2595 रूपये प्रति कुंतल, ओवर साइज (आधारित प्रथम) 2270 रूपये प्रति कुंतल, ओवर साइज (आधारित द्वितीय) 2210 रूपये प्रति कुंतल तथा आधारित प्रथम आलू ट्रूथफूल 2180 रूपये प्रति कुंतल बीज हो गया है। सफेद एवं लाल आलू प्रजातियों की बीज विक्रय दरें एक समान है। इन दरों पर प्रदेश के कृषक अपने जनपदीय उद्यान अधिकारी से नकद मूल्य पर बीज प्राप्त कर आलू बीज का उत्पादन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रदेश के किसानों को नकद मूल्य पर आधारित प्रथम, द्वितीय तथा प्रमाणित आलू बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे पहले आलू बीज की विक्रय दर आधारित प्रथम 3495, आधारित द्वितीय 3095, ओवर साइज (आधारित प्रथम) 2770, ओवर साइज (आधारित द्वितीय) 2710 तथा आधारित प्रथम ट्रूथफूल 2680 रूपये प्रति कुंतल निर्धारित की गयी थी।

'दुग्ध उत्पादन 3 .5 लाख किग्रा . प्रतिदिन किया जाए'

दुग्ध संघों के डेयरी प्लांट की उत्पादन क्षमता उपयोगिता को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दुग्ध उत्पादन 3.5 लाख किग्रा0 प्रतिदिन किया जाए और तरल दुग्ध बिक्री 02 लाख ली0 प्रतिदिन किये जाने के प्रयास किये जाए। प्रत्येक दुग्ध संघ कम से कम 05 मिल्क बूथ बनाने का लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करे। दुग्ध संघों में कार्यरत डेयरी प्लांट की क्षमता उपयोगिता को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए। दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों के गत एक सप्ताह में क्रियान्वयन की समीक्षा की। सिंह ने कहा कि दुग्ध विकास विभाग का लक्ष्य प्रदेश की जनता को शुद्ध दूध उपलब्ध कराना है और दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों, पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का नियमित रूप से भुगतान कराना प्राथमिकता है। सिंह ने विभागीय अधिकारियों को बंद पड़ी दुग्ध समितियों को पुनः चालू किये जाने और वर्तमान में संचालित समितियां किसी भी कारण से बंद न किये जाने पर विशेष बल दिया। सिंह ने कहा कि नन्द बाबा एवं गोकुल पुरस्कार के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लाभार्थियों की चयन सूची तैयार कर उन्हें पुरस्कृत करने की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। दुग्ध विकास मंत्री ने कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज डेयरी प्लांट का संचालन एनडीडीबी को दिये जाने के संबंध में हुई प्रगति की भी समीक्षा की और कहा कि जो भी औपचारिकताएं शेष या अपूर्ण हैं, उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई समितियों के गठन एवं पुनर्गठन का लक्ष्य निर्धारण किया गया है, उसे सुदृढ़ कार्ययोजना बनाकर शीघ्र पूरा किया जाए। सिंह ने कहा कि पराग के उत्पादों की मार्केटिंग कर विशेष ध्यान दिया जाए। निर्देश दिये कि किसानों एवं पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का भुगतान निर्धारित समयावधि में किया जाए और विलम्ब न होने पाये। वर्तमान भुगतान के साथ ही बकाया धनराशि का भी भुगतान कर भुगतान प्रक्रिया को नियमित किया जाए। अवगत कराया गया कि वर्तमान में 18108 निबंधित समितियां हैं, जिसके सापेक्ष 7094 कार्यरत समितियां हैं। प्रत्येक दुग्ध संघ द्वारा 02 दुग्ध समितियों का भ्रमण एवं अनुश्रवण किया जा रहा है। गत एक माह में 775 कार्यरत एवं 459 अकार्यरत दुग्ध समितियां कुल 1234 दुग्ध समितियों में भ्रमण किया गया। 169 अकार्यरत समितियों को कार्यरत किया गया। बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के0 रवीन्द्र नायक ने मंत्री जी को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनसे प्राप्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन दुग्ध संघों द्वारा अभी भी दुग्ध मूल्य भुगतान में उदासीनता बरती जा रही है उनके द्वारा भुगतान कार्य गंभीरता से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को समितियों की संख्या बढ़ाये जाने के संबंध में तत्परता से कार्य किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में गठनधुनर्गठन के सापेक्ष संचालित दुग्ध समितियां, दुग्ध समितियों द्वारा भ्रमण, डेयरी प्लांट की उपयोगिता क्षमता, दुग्ध उपार्जन, तरल दुग्ध बिक्री, बकाया दुग्ध मूल्य भुगतान आदि की गहन समीक्षा की गयी। बैठक में पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक आनंद कुमार सिंह, दुग्ध आयुक्त राकेश कुमार मिश्रा, पीसीडीएफ के डा0 मनोज तिवारी, मती नयन तारा सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनाधिकृत रूप से मदिरा की दुकानों के बाहर पीने और पिलाने वालों के विरूद्ध होगी सख्त कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि आबकारी विभाग को फेस्टिवल सीजन में और अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। इस त्योहारी मौसम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा अनाधिकृत रूप से मदिरा की दुकानों के बाहर पीने और पिलाने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये। आबकारी मंत्री ने यह निर्देश आज यहां गन्ना संस्थान में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि माह सितम्बर में 3246.67 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 22563.15 करोड़ रुपये की प्राप्तियाँ हुई है, जबकि इस माह तक गत वर्ष की प्राप्तियाँ 20226.55 करोड़ रुपये थी। उन्होंने राजस्व प्राप्ति में अधिकत्म उपलब्धि प्राप्त करने वाले मिर्जापुर, अयोध्या तथा वाराणसी प्रभार के अधिकारियों की प्रसंशा की और न्यूनत्म उपलब्धि वाले बस्ती, गोरखपुर एवं आजमगढ़ प्रभार के अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए आगामी माह में शत-प्रतिशत राजस्व अर्जित करने के निर्देश भी दिये। आबकारी मंत्री ने कहा कि अवैध शराब की तस्करी को रोकने के लिए चण्डीगढ़, हरियाणा और पंजाब बार्डर के पोस्ट को और अधिक सक्रिय किया जाये। किसी भी दशा में अन्य राज्यों से प्रदेश में अवैध मदिरा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रर्वतन की टीमों को जिलों में भेजकर मदिरा की दुकानों का औचक निरीक्षण करायें।

सीएम योगी के निर्देश पर प्रयागराज के 9 स्टेशनों की क्षमता और सुविधा में होगा विस्तार

रेलवे स्टेशन से मेला क्षेत्र पैदल जाने के लिए एकल मार्ग की होगी व्यवस्था

» **दौड़ेंगी 992 मेला स्पेशल ट्रेन, मौनी अमावस्या पर होगी 300 से अधिक स्पेशल ट्रेनों की सुविधा**

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महाकुंभ 2025 की तैयारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और रेलवे प्रशासन ने व्यापक स्तर पर योजनाएं बनाई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ की तैयारियों पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं। महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव हो, इसके लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनमें विशेषकर रेल यातायात और स्टेशन की सुविधाओं में विस्तार शामिल है। महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार और रेलवे प्रशासन मिलकर व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की क्षमता और सुविधाओं में विस्तार के साथ-साथ विशेष ट्रेनों का संचालन, पैदल मार्ग की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाएं यह सुनिश्चित करेंगी कि महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक हो।

आपातकालीन योजनाएं और होल्डिंग एरिया

रेलवे प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए 6 विशेष योजनाएं तैयार की हैं। इन योजनाओं के तहत, रेलवे स्टेशनों पर अधिक भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को व्यवस्थित करने के लिए 90 होल्डिंग एरिया चिन्हित किए गए हैं। इन होल्डिंग एरियाज में आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को रोका जा सकेगा, ताकि स्टेशन पर भीड़ का दबाव कम रहे और यात्रा सुगम हो। इन आपातकालीन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखा जा सके और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही, जिला प्रशासन, पुलिस, और मेला आयोजन टीम मिलकर इन योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे।

रेलवे स्टेशन से पैदल मार्ग की विशेष व्यवस्था

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र तक पहुंचने में कोई समस्या न हो, इसके लिए रेलवे स्टेशन से मेला क्षेत्र तक पैदल मार्ग की एकल-मार्ग (वन-वे) योजना तैयार की गई है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि श्रद्धालु बिना किसी बाधा के मेला क्षेत्र में प्रवेश कर सकें। इससे भीड़-भाड़ और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सकेगा।

प्रयागराज के 9 प्रमुख रेलवे स्टेशनों का होगा विस्तार

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज के 9 प्रमुख रेलवे स्टेशनों की सुविधा और क्षमता में विस्तार किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज जंक्शन, नैनी जंक्शन, छिवकी जंक्शन, रामबाग जंक्शन, झूंसी जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन और प्रयागघाट जंक्शन पर मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की व्यापक योजना तैयार की गई है। इन स्टेशनों पर नवीनीकरण और विकास कार्य तेजी के साथ प्रगति पर है।

प्रयागराज स्टेशन और सूबेदारगंज स्टेशन पर यार्ड का नवीनीकरण हो रहा है। सूबेदारगंज में दो अतिरिक्त प्लेटफार्म और झूंसी स्टेशन पर एक अतिरिक्त प्लेटफार्म का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही, प्रयाग स्टेशन पर एक नया प्लेटफार्म बनाया जा रहा है। इन स्टेशनों की वाशिंग लाइनों का निर्माण और सुधार कार्य भी चल रहा है ताकि ट्रेनों की सफाई और रखरखाव में कोई परेशानी न हो।

मेला स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था से श्रद्धालुओं की यात्रा होगी

महाकुंभ 2025 के लिए रेलवे ने 992 मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है, जो वर्ष 2019 के 572 स्पेशल ट्रेनों की तुलना में लगभग दोगुनी है। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर, विशेष रूप से 300 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, ताकि श्रद्धालु आसानी से संगम नगरी पहुंच सकें। इसमें उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे डिवीजन की मुख्य भूमिका होगी।

उत्तर मध्य रेलवे के तहत दिल्ली, कानपुर, मुंबई, झांसी, सतना, बांदा और मानिकपुर मार्ग से ट्रेनों का संचालन होगा। पूर्वोत्तर रेलवे के लिए बिहार, मुगलसराय, और वाराणसी मार्ग से रामबाग और झूंसी स्टेशन पर मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। उत्तर रेलवे के तहत गोरखपुर, फैजाबाद, लखनऊ और ऊंचाहार मार्ग पर फाफामऊ, प्रयाग, और प्रयागघाट स्टेशन पर विशेष ट्रेनें संचालित होंगी।

नियंत्रण कक्ष और निगरानी की व्यवस्था

प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे ने एक विशेष नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है, जहां से पूरे मेला क्षेत्र और रेलवे स्टेशनों की निगरानी की जाएगी। यह नियंत्रण कक्ष सभी स्टेशनों की गतिविधियों पर नजर रखेगा और समन्वय का कार्य करेगा, ताकि कोई भी समस्या आने पर तुरंत समाधान किया जा सके।

इस नियंत्रण कक्ष के जरिए स्टेशन पर आने-जाने वाली ट्रेनों की समय-सारणी, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं की देखरेख की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

स्टेशनों का हो रहा कायाकल्प

महाकुंभ 2025 को ध्यान में रखते हुए, प्रयागराज जंक्शन का वृहद स्टेशन विकास योजना के तहत और फाफामऊ और प्रयाग जंक्शन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कायाकल्प किया जा रहा है। इन स्टेशनों का निर्माण कार्य अक्तूबर 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि महाकुंभ के समय ये स्टेशन पूरी तरह से विकसित और तैयार हों। इसके तहत स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि की जाएगी, जिसमें वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, प्लेटफार्म, वाशिंग लाइन और स्वच्छता सुविधाओं का विस्तार शामिल है। इन स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या को संभालने के लिए भी विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र : भय और आतंक के माहौल में चुनाव

बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदे आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। और बहुत कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की सारी पोल खोल दी है। मुम्बई में यह किस में डर पैदा करने की कोशिश है? महाराष्ट्र में चुनाव हैं और उससे पहले राजनीतिक हत्याओं का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बाबा सिद्दिकी तो राज्य सरकार के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पार्टी में आ गए थे। वाय श्रेणी की सुरक्षा थी मगर फिर भी मारे गए। और वह क्या पुलिस थाने में भाजपा विधायक ने राज्य सरकार में शामिल शिंदे गुट के नेता पर गोलियां चला दी थीं। अजीत पवार की पार्टी एनसीपी के तो 8 दिन में यह दूसरे नेता की हत्या है। और इस साल में तीसरे नेता की। मुंबई में लंबी लिस्ट है पिछले दिनों हुई राजनीतिक हत्याओं की। गोलियां चलाकर आतंक पैदा करने की। फिल्म एक्टर सलमान खान जो गुजरात में मोदी जी का समर्थन करने गए थे उनके घर के बाहर अभी गोलियां चलाई गईं। और जिस अपराधी लारेंस बिश्नोई पर आरोप है उसने अभी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिमेमेदारी ले ली है। पंजाबी गायक सिद्धु मुसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी गेंग ने ली थी। डबल इंजन की सरकार है। गेंग लीडर लारेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है मगर आश्चर्य वह सुपारी ले रहा है और हत्याएं करवा रहा है। क्या मतलब है इसका? इतने ताकतवर प्रधानमंत्री राज्य में उनकी सरकार और गुजरात की जेल में बंद एक गेंगस्टर द्वारा मुंबई में एक के बाद एक राजनीतिक हत्याएं! आतंक का माहौल!

किस लिए? चुनाव में किसी को फायदा पहुंचाने के लिए? महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों को यही आशंका है। सबसे प्रमुख विपक्षी दल शिवसेना यूबीटी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा है कि इस हत्या ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की कलई खोल दी। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इसे मुख्यमंत्री की विफलता बताया है। उन्होंने गृह मंत्री देवेन्द्र फडणवीस को बर्खास्त करने की मांग की है। उद्धव ठाकरे की पार्टी की ही राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कड़े सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर सत्ता पक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो फिर महाराष्ट्र में कौन सुरक्षित है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राज्य का लूटने में लगे हैं उन्हें कानून व्यवस्था की कोई चिंता नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा में इतनी देर क्यों की जा रही है? यही मुख्य सवाल है। चुनाव में देर क्यों की जा रही है? क्या राज्य में डर व आतंक का वातावरण बनाने के लिए? गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गेंगस्टर कैसे इतना ताकतवर हो सकता है कि डबल इंजन और गुजरात में भी सरकार है तो ट्रिपल इंजन की सरकार कह सकते हैं वह देश के हर राज्य में और विदेश में कनाडा तक में हत्याएं करवा रहा हो और महाराष्ट्र गुजरात की राज्य सरकारें केन्द्र सरकार कोई कुछ नहीं कर पा रहा हो? कोशिश यही है कि महाराष्ट्र में विपक्ष में इतना डर और आतंक पैदा कर दो कि वह ठीक से चुनाव ही नहीं लड़ पाए। क्या यह संभव है? राहुल गांधी को डराया जा सकता है ? उद्धव ठाकरे को कोई डरा सकता है ? शरद पवार किसी से डरेंगे? संभव ही नहीं है। यह सारी कोशिशें बेकार जाएंगी। उल्टे महाराष्ट्र में यह संदेश जाएगा कि मोदी एकनाथ शिंदे अजीत पवार यह कोई उन्हें सुरक्षा नहीं दे सकता है। यह सब इन्हीं की जेल में बंद एक गेंगस्टर के सामने लाचार हैं। राज लारेंस बिश्नोई का चल रहा है प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार का नहीं।

सोचिए तीन बार के एमएलए, राज्य सरकार में मंत्री रहे, बेटा जिशान सिद्दीकी अभी भी एमएलए और उप मुख्यमंत्री की अजीत पवार की पार्टी में शामिल फिर भी दशहरे के दिन, भीड़ भाड़ वाले इलाके बान्द्रा ईस्ट इलाके में शाम को गोली मार दी जाती है। बाबा सिद्दकी कोई सामान्य नेता नहीं थे। हर पार्टी में सब उन्हें जानते थे। फिल्म स्टारों में उनकी पूछ थी। जिन्दगी भर कांग्रेस में रहे अभी इसी साल के शुरू में अजीत पवार की पार्टी में गए थे। बिहार के रहने वाले थे। मगर मुबंई में आकर जैसे बहुत सारे दूसरे लोगों ने कांग्रेसी बनकर अपना उद्धार किया था वैसे ही वे भी थे। जब केन्द्र और राज्य दोनों जगह कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई तो वे सत्ता में शामिल अजीत पवार के साथ चले गए। जाते तो कांग्रेस छोड़कर बहुत सारे लोग हैं मगर एकाध ही होता है जो जाने के बाद कांग्रेस पर सोनिया राहुल पर गंदे आरोप नहीं लगता। प्रियंका चतुर्वेदी एक उदाहरण हैं। बाकी लोग तो अपने स्वार्थों से गए मगर प्रियंका चतुर्वेदी के साथ तो बदतमीजी हुई थी। उन्होंने पार्टी में ही रुककर इसकी शिकायत भी की। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई तब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी। लेकिन छोड़ने के बाद कभी कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोला। बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदे आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की।

सही तरीके से हाथ धुलने की आदत दे बीमारियों से राहत

डायरिया, निमोनिया और सांस की बीमारियों से बचाती है यह आदत

ग्लोबल हैंडवाशिंग डे (15 अक्टूबर) पर विशेष

रिपोर्ट बताती हैं कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की होने वाली कुल मौत में करीब 17 प्रतिशत की निमोनिया और 13 प्रतिशत की डायरिया से होती है।

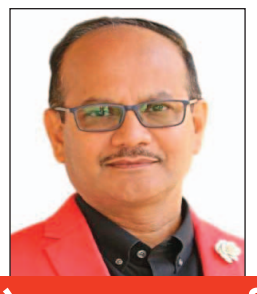

मुकेश कुमार शर्मा

बचपन की कुछ आदतें जीवनभर के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होती हैं, उन्हीं में से एक सबसे प्रमुख आदत है साबुन-पानी से हाथों को सही तरीके से धुलना। जी हाँ ! यह आदत बाल्यावस्था से घर-परिवार और स्कूल से ही बच्चों में डाली जाए तो यह बड़े होकर भी व्यवहार में सदा के लिए शामिल रहेगी। यह आदत इतनी कीमती है कि इससे बचपन से लेकर बड़े होने तक कई तरह की बीमारियों से सुरक्षा आसानी से मिल सकती है। इस बारे में समुदाय के हर वर्ग तक जागरूकता के लिए ही हर साल 15 अक्टूबर को विश्व स्तर पर ग्लोबल हैंडवाशिंग डे यानि वैश्विक हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है।

इस साल इस महत्वपूर्ण दिवस का विषय है- "स्वच्छ हाथ अभी भी महत्वपूर्ण क्यों हैं", जो ध्यान दिलाता है कि कोरोना काल में तो हाथों की स्वच्छता की अहमियत सभी को भलीभांति पता ही चल गयी थी, जिसे हमें अपने व्यवहार में हमेशा-हमेशा के लिए शामिल करके रखना है। यह दिवस इसलिए भी खास है कि इस दिन संक्रमण की रोकथाम और नियन्त्रण के उद्देश्य से स्वास्थ्य देखभाल करने वालों का भी हाथों की स्वच्छता के बारे में प्रशिक्षण और शिक्षा के माध्यम से क्षमतावर्धन किया जाता है। स्कूल-कालेजों, संस्थाओं, संगठनों द्वारा भी इस महत्वपूर्ण दिवस पर हाथों की सही स्वच्छता के प्रति जागरूकता की अलख जरूर जगानी चाहिए। यह महत्वपूर्ण दिवस हम सभी को सचेत करता है कि यदि संक्रामक बीमारियों से चाहिए आजादी तो पहले अपने हाथों की सही से करो धुलाई क्योंकि कई संक्रामक बीमारियों के कीटाणु हाथों के जरिये मुंह व नाक के रास्ते पेट तक पहुँच जाते हैं और बीमारियाँ फैलाते हैं।

रिपोर्ट बताती हैं कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की होने वाली कुल मौत में करीब 17 प्रतिशत की निमोनिया और 13 प्रतिशत की डायरिया से होती है। इस आंकड़े में कमी लाने में हाथों की सही तरीके से स्वच्छता अहम् भूमिका निभा सकती है। बच्चे किसी भी तरह की सतह के सम्पर्क में आते हैं और जमीन में पड़ी चीजों को उठाकर मुंह में भी डाल लेते हैं और संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। बच्चों में यदि डायरिया लम्बे समय तक बनी रही तो वह निश्चित रूप से कुपोषण की जद में आ जायेंगे जो उनके पूरे जीवन चक्र पर असर डाल सकती है। इसका सीधा असर जहाँ उनके समुचित विकास पर पड़ता है वहीँ उनकी पढाई-लिखाई भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए बच्चों में शुरू से ही हाथों की सही स्वच्छता की आदत विकसित करें और उनको इसके फायदे भी बताएं ताकि यह सदा-सर्वदा के लिए उनकी आदत में शामिल हो जाए। बच्चों के अलावा खासकर माताओं को भी हाथों की साफ़-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जैसे- बच्चे को छूने या गोद लेने से पहले, स्तनपान कराने से पहले, खाना बनाने या बच्चे को खाना खिलाने या खुद खाना खाने से पहले, छींकने या खांसने के तुरंत बाद, बीमार व्यक्तियों की देखभाल के बाद या शौच के बाद साबुन-पानी से हाथों को अच्छी तरह से जरूर धुलें।

हाथों को सही तरीके से धुले बगैर आँख-नाक को छूने से भी साँस और आँख सम्बन्धी कई बीमारियाँ घेर लेती हैं। गले के संक्रमण का कारण भी यह गंदगी से भरे हाथ बन सकते हैं। चिकित्सकों का भी यह मानना है कि हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक अच्छी तरह धुलने के बाद उसे हवा में ही सुखाएं उन्हें धुलने के बाद कपड़े से पोंछने की भूल नहीं करनी चाहिए क्योंकि बार-बार एक ही कपड़े का इस्तेमाल करने से भी संक्रमण की गुंजाइश बनी रह जाती है।

सुमन –के विधि है बहुत कारगर :

साबुन-पानी से हाथों की सही तरीके से सफाई के छह प्रमुख चरण बताये गए हैं, जिसे सुमन-के (SUMAN-K) विधि से समझा जा सकता है। एस का मतलब है पहले सीधा हाथ साबुन-पानी से धुलें, यू- फिर उलटा हाथ धुलें, एम-फिर मुट्ठी को रगड़-रगड़कर धुलें, ए- अंगूठे को धुलें, एन-नाखूनों को धुलें और के- कलाई को अच्छी तरह से धुलें । इस विधि से हाथों की सफाई की आदत बच्चों में बचपन से ही डालनी चाहिए और उसकी अहमियत भी समझानी चाहिए।

हाथों की स्वच्छता का कब रखें खास ख्याल : खाना बनाने और खाना खाने से पहले, शौच के बाद, नवजात शिशु को हाथ लगाने से पहले, खांसने या छींकने के बाद, बीमार व्यक्तियों की देखभाल के बाद, कूड़ा-कचरा निपटान के बाद निश्चित रूप से हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह धुलना चाहिए।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

अजब-गजब

एयरपोर्ट पर महिला के बैग में मिली 38 करोड़ की ऐसी चीज, देखकर दंग रह गए अधिकारी, अब होगी 60 साल की जेल

हवाई यात्रा करना हर किसी का सपना होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा आसान भी चुका है। भले ही इसमें पैसे ज्यादा लगते हैं लेकिन ये आपका काफी सारा समय आसानी से बचा देती है। हालांकि कई लोग होते हैं जो इस साधन का इस्तेमाल गलत कामों के लिए करते हैं। ऐसा ही एक किस्सा इन दिनों लोगों के बीच सामने आया है। जिसे देखने के बाद हर कोई सोच में पड़ गया है और जब ये कहानी सामने आई तो हर कोई हैरान है।

ये हैरान कर देने वाला मामला मेक्सिको से सामने आया है। 28 साल की किम्बर्ली हॉल नाम की ग्लैमरस महिला जैसे ही अपने बैगों के साथ एयरपोर्ट पहुंची और चेकिंग हुई तो ऐसा कुछ सामने आया। जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। बताया जा रहा है महिला को अब 60 साल तक की सजा हो सकती है। अब आपके मन में ये सवाल तो जरूर उठ रहा होगा कि ऐसा आखिर उस बैग में क्या था कि एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब महिला एयरपोर्ट पर पहुंची तो अधिकारियों को शक हुआ और महिला का बैग खुलवाया। जिसके बाद बैग में करीब 38 करोड़ रुपये की कोकेन बरामद हुए। पुलिस हिरासत में जाने के बाद महिला ने ऐसी बात बताई। जिससे वहां मौजूद अधिकारी एकदम से सन्न रह गए। महिला ने कहा कि एयरपोर्ट के बाहर उसे दो लोगों ने बैग ले जाने को मजबूर किया। हॉल का दावा है कि मैक्सिको पहुंचने पर उसे धमकाया गया और दो सूटकेस घर लाने के लिए मजबूर किया गया।

इस काम के बदले उसे घूमने की व्यवस्था करने का वादा किया गया। महिला की इस बात को सुनकर पुलिस दंग रह गई क्योंकि उन्हें लग रहा है कि ये शायद किसी बड़े गिरोह का काम हो सकता है। जांच हुई तो 43 किलोग्राम कोकेन मिली, जिसकी कीमत 38 करोड़ से भी अधिक बताई जा रही है, अब अमेरिकी कानून के मुताबिक महिला को 60 वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है। हालांकि इस मामले पर उसके पिता का कहना है कि वो कोई ड्रग तस्कर नहीं है बल्कि उसे फंसाया जा रहा है।

ब्लॉग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सफलता का रहस्य

बृजनन्दन राजू

इस वर्ष 2025 विजयादशमी का पावन पर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का शुभारम्भ है। हिन्दू संगठन और राष्ट्र को परमवैभव पर ले जाने के जिस उद्देश्य को लेकर सन 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में डा. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उस ध्येय पथ पर संघ निरन्तर बढ़ता जा रहा है। किसी भी जीवंत संगठन के लिए शताब्दी वर्ष तक की यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। कोई भी संगठन किसी निश्चित उद्देश्य से बनता है और दस,बीस, पचास साल में उसकी महत्ता घट जाती है। जबकि संघ में ऐसा नहीं है। अभी भी संघ बूढ़ा नहीं बल्कि चिरयुवा है। इस सुदीर्घ यात्रा में संघ ने राष्ट्र के नवोत्थान का पथ आलोकित किया है। देशवासियों में देश के प्रति निष्ठा व समर्पण का भाव जगाया है।

अब तक की यात्रा में हिन्दू संगठन के साथ-साथ आम लोगों का विश्वास जीतने और राष्ट्र जागरण के प्रयास में संघ पूर्णतया सफल रहा है। देश दुनिया में आरएसएस नाम से विख्यात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। संघ की तुलना किसी दूसरे संगठन से नहीं कर सकते क्योंकि तुलना करने के लिए भी इसके जैसा कोई होना चाहिए। इसीलिए बहुत से लोग स्वार्थवश संघ को बुरा भला कहते हैं। कुछ लोग अज्ञानवश भी संघ की आलोचना करते हैं क्योंकि उनको संघ की असलियत पता नहीं है।

नागपुर से शुरू हुआ संघ विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस वटवृक्ष की छांव में भारत की संस्कृति और परम्परा पुष्पित पल्लवित हो रही है। आज 50 से अधिक संगठन विविध क्षेत्रों में संघ से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। यह सभी संगठन स्वायत्त जरूर हैं लेकिन उनके पीछे संघ की शक्ति ही सक्रिय है। विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले संघ के आनुषांगिक संगठन विश्व के शीर्ष संगठनों में शुमार हैं। चाहे किसान संघ हो, मजदूर संघ हो, विद्यार्थी परिषद हो, वनवासी बंधुओं के बीच कार्य करने वाला संगठन वनवासी कल्याण आश्रम हो, शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती,धर्म के क्षेत्र में सक्रिय विश्व हिन्दू परिषद हो या फिर राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भारतीय जनता पार्टी। यह सब विश्व में चोटी के संगठन हैं। कुल मिलाकर देखेंगे तो पायेंगे समाजजीवन का ऐसा कोई क्षेत्र अक्षूता नहीं है जिस क्षेत्र में संघ के कार्यकर्ता काम न कर रहे हों। लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय है कि ऐसी कौन सी शक्ति या विजन है कि संघ इतना पुराना संगठन होने के बावजूद उसकी शक्ति नित्य—प्रति बढ़ती जा रहै। लोग कहते हैं कि आखिर संघ की सफलता का रहस्य क्या है? यह जानने के लिए संघ स्थापना की पृष्ठभूमि पर गौर करना आवश्यक होगा। डा. हेडगेवार ने राष्ट्र की समस्याओं का आकलन किया और उनके समाधान के सूत्र खोजे।

जिसमें प्रमुख कारण था देशभक्ति का अभाव। आपसी संबंधों का अभाव। जागरूकता का अभाव। इसके लिए संघ संस्थापक ने शाखा नामक अभिनव कार्यपद्धति विकसित की। डा. हेडगेवार ने कहा कि हम शाखा के माध्यम से स्वयंसेवक तैयार करेंगे और यही स्वयंसेवक ही आगे चलकर समाज में बदलाव लायेंगे। डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने सन 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में संघ की स्थापना की। प्रथम संघ की शाखा मोहिते का बाड़ा में शुरू हुई। इसके बाद शाखा का विस्तार होता गया। व्यक्ति निर्माण में शाखा का प्रयोग अद्धितीय अनुपम व अनूठा है। संघ की सफलता का रहस्य शाखा में ही निहित है। अनेकों संगठन संघ की भांति शाखा चलाने की बात करते हैं लेकिन उन्हें यह पता नहीं कि शाखा चलाने के लिए अनेकों स्थानीय कार्यकर्ता व प्रचारकों की लम्बी श्रंखला का कठोर परिश्रम तथा समय लगता है। इसी त्याग तपस्या का प्रतिफल है शाखा। शाखा के माध्यम से संघ ने व्यक्ति निर्माण करने में सफलता प्राप्त की है। शाखा प्रतिदिन 60 मिनट की ही लगती है। शाखा के कार्यक्रम तय हैं। पूरे एक घंटे का शारीरिक व बौद्धिक कार्यक्रमों का नियोजन है। शाखा का प्रारम्भ व विकिर (समापन) सीटी से होता है। शाखा के कार्यक्रमों से स्वयंसेवकों में विविध गुणों का विकास होता है। देश का कार्य करने के लिए अपना शरीर सशक्त होना चाहिए। इसके लिए व्यायाम आवश्यक है। प्रतिदिन शारीरिक कार्यक्रम होते हैं। शाखा में मुख्य शिक्षक की आज्ञा का पालन सब करते हैं चाहे संघ के सरसंघचालक ही क्यों न हों।

मुख्य शिक्षक की आज्ञा होती है अग्रेसर। शाखा में कितनी भी अधिक संख्या क्यों न हो जो स्वयंसेवक अग्रेसर रेखा पर आ गया शेष सब स्वयंसेवक अग्रेसर के पीछे ही खड़े होते हैं,फिर आयु या कद का बंधन नहीं रहता है। उसी तरह संघ में एकसह सम्पत एक आज्ञा होती है। इसका अर्थ होता है एक लाइन में खड़े होना। इसमें भी कोई भी स्वयंसेवक जो पहले आकर खड़ा हुआ उसके बगल में ही सब खड़े होंगे। छोटे बड़े का कोई भेद नहीं। शाखा में आने वाले सभी स्वयंसेवक एक दूसरे को भाई साहब कहकर अभिवादन करते हैं। पांच साल का स्वयंसेवक भी 70 साल के स्वयंसेवक को भाई साहब ही कहता है। स्वयंसेवकों में यह भाव पैदा किया जाता है कि हम सभी भारत माता के पुत्र हैं तो हम सब आपस में भाई-भाई हैं। संघ शाखा के इसी भाव के द्वारा ही नित्य सिद्ध शक्ति खड़ी होती है।

डा. हेडगेवार ने नागपुर से बाहर अन्य प्रदेशों में संघ कार्य विस्तार के लिए युवाओं को भेजना शुरू किया। तब से प्रचारक पद्धति शुरू हो गयी। संघ में प्रचारक ऋषि परम्परा के समान साधक माने जाते हैं। संघ के स्वयंसेवक प्रचारकों को अपना आदर्श मानते हैं। संघ कार्य की मुख्य धुरी प्रचारक ही होते हैं। इन प्रचारकों के भोजन जलपान इत्यादि की चिंता स्वयंसेवक ही करते हैं। प्रचारक पूरा समय देकर संघ का कार्य करता है। प्रचारक हिन्दू-हिन्दू भाई का केवल गीत नहीं गाते हैं उसे जीवन में उतारते हैं। रज्जू भैया,अशोक सिंघल जैसे अनेकानेक युवा जो प्रचारक निकले क्षमता प्रतिभा की कोई कमी नहीं थी। पर सब कुछ संघ में रहकर भारत मां के चरणों में समर्पित कर दिया। बड़ी संख्या में निकले इन प्रचारकों के कारण ही संघ का काम तेजी से बढ़ा है। संघ के प्रचारक की दिनचर्या प्रातः चार बजे से शुरू होकर रात 11 बजे से पहले सोने का कोई प्रश्न ही नहीं होता।

प्रचारक चार बजे अवश्य जग जाता है क्योंकि उसे नित्य प्रभात की शाखा पर प्रवास करना होता है। प्रचारक के नाते जिस क्षेत्र में वह है वहां संघ का काम बढ़े बस यही उसकी अपेक्षा रहती है। प्रचारकों का समय-समय पर स्थान परिवर्तन भी होता रहता है। यह भी गारंटी नहीं कि उनका काम अच्छा रहेगा तो वहीं रहेंगे। उनका कार्यक्षेत्र यहां तक कि एक संगठन से दूसरे संगठन में भी भेजा जाता है। जब पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद चरम पर था। बिना केश कृपाण वालों की कब हत्या हो जाए ऐसे संकट के काल में पूरे देश से प्रचारक पंजाब भेजे गए। अनेक प्रचारकों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। कुछ समय पहले तक यही हाल काश्मीर का भी था। समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में जो आज परिवर्तन दिखाई दे रहा है उस परिवर्तन के पीछे संघ से भेजे गये प्रचारकों की मेहनत ही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय,अटल बिहारी बाजपेई, दत्तोपंत ठेंगड़ी, मोरोपंत पिंगले और नरेन्द्र मोदी प्रचारक परम्परा के ही प्रासाद हैं।

संघ में सम्पूर्ण कार्य का मुख्य आधार सामान्य स्वयंसेवक ही है। जो विद्यार्थी है,व्यवसायी है किसान है या गृहस्थी चलाने के लिए अन्य कोई कार्य करता है। संघ का वास्तविक आधार समाज का वही सामान्य नागरिक है। संघचालक,कार्यवाह तथा सामान्य जीवन जीने वाले अन्यान्य स्वयंसेवक सब प्रकार के व्यक्तिगत मोह,ममता,सुख दुख काम धंधे के खतरे को उठाते हुए संघ का काम करते हैं। संघ ने सम्पूर्ण समाज से केवल एक प्रतिशत लोगों को आने के लिए कहा। उन एक प्रतिशत से भी कहा कि आपका केवल 24 घंटे से मात्र एक घंटे ही चाहिए। शाखा लगाने से लेकर संघ के सारे कार्य स्थानीय कार्यकर्ता ही करते हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं के बल पर ही संघ बढ़ता है। प्रचारकों की चिंता से लेकर संगठन की मीटिंग बैठक,कार्यक्रम व वर्गों की व्यवस्था स्वयंसेवक ही करते हैं। संघ के स्वयंसेवक वर्ष में एक बार गुरू दक्षिणा करते हैं। इसी से संघ का खर्चा चलता है।

संघ में कहा जाता है कि शुद्ध सात्विक कार्य अपने कार्य का आधार है। तो यह केवल कहा ही नहीं जाता है बल्कि यह वास्तविकता भी है। आत्मीयता ही संघ कार्य का आधार है। संघ के कार्यकर्ता बिना लोभ लालच व राग द्वेष के बिन निःस्वार्थ भाव से अहर्निश संघ कार्य करते हैं। यह सब आत्मीयता के कारण। क्योंकि संघ में प्रचारकों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का इतना स्नेह मिलता है कि कार्यकर्ता उस काम को पूरा करने के लिए प्राण प्रण से जुटा रहता है। अपनी नौकरी से समय निकाल लेगा, घर के कामों से संघ के कामों के लिए समय निकाल लेगा। भारतभर में अनेक संगठन हैं लेकिन जो आत्मीयता का भाव संघ में है उस प्रकार की आत्मीयता का भाव अन्य किसी भी संगठन में नहीं है। आत्मीयता ही संघ की रीति नीति प्रकृति व स्वभाव बन गया है। जब संघ का स्वयंसेवक एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाता है तो वहां वह यह अनुभव करता है। मैं संघ का स्वयंसेवक हूं बस इतना सुनते ही भाव बदल जाता है। नागपुर में पूरे देश से लोग तृतीय वर्ष करने आते हैं। एक साथ रहते हैं। हर एक गण में कम से 10 प्रान्तों के कार्यकर्ता रहते हैं। इसी तरह गट में भी अलग -अलग प्रान्तों के कार्यकर्ता रहते हैं। अलग भाषा-भाषी और खान-पान होने के बाद भी परस्पर इतनी आत्मीयता रहती है कि वह बंधु भाव जीवन पर्यन्त बना रहता है।

जिस ध्येय की पूर्ति के लिए संघ काम करता है। उसकी स्पष्ट कल्पना कार्यकर्ताओं में होनी चाहिए। राष्ट्र प्रथम,भारत हिन्दू राष्ट्र है। हिन्दू - हिन्दू भाई है। एक जन,एक संस्कृति एक राष्ट्र यही संघ का विचार है। यह देश समाज व राष्ट्र हमारा है। इसकी रक्षा कराना हमारा दायित्व है। विचार यदि आचार न बनते व्यर्थ तत्व का गायन है। इसलिए संघ में जो कहा जाता है वह कार्यकर्ताओं व संघ के पदाधिकारियों के जीवन में दिखता है। अन्यथा हमारे विचार कितने भी श्रेष्ठ क्यों न हों अगर वह जीवन व आचरण में नहीं दिखते तो उसका कोई महत्व नहीं रहता। इसलिए संघ में बंधुभाव व समरसता केवल कहने के लिए नहीं बल्कि है। एक और सबसे महत्व की बात है कि संघ प्रतिक्रियावादी नहीं है।

संघ की एक मति व गति है। उसी गति से संघ काम करता है। संघ कोई भी निर्णय जल्दबाजी,हड़बड़ी या उतावलेपन में नहीं लेता। कोई भी तात्कालिक प्रश्न आने पर संघ व्यग्रता नहीं दिखाता। तात्कालिक प्रश्न सम्मुख आया उसके निराकरण में कितनी शक्ति लगाना इसका योग्य विचार करके ही संघ अपनी शक्ति लगाता है। यही संघ की सफलता का रहस्य है।

यूपी में नागालैंड की लड़की हुई डिजिटल अरेस्ट, फर्जी पुलिसवाले ने उतरवा दिए सारे कपड़े

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से डिजिटल अरेस्ट का बेहद चौंका देने वाला मामला सामने आया है। यहां इंजीनियरिंग की एक छात्रा को फर्जी बैंक अधिकारी ने फोन किया। उसे धमकाया और कहा- तुमने लोन लिया है, जिसे तुमने चुकाया नहीं है। ऐसे में तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज हो गया है। फिर दूसरे शख्स ने फर्जी पुलिस वाला बनकर वीडियो कॉल किया।

उसने कहा- तुम्हें हैदराबाद आकर जमानत करानी पड़ेगी। ऑनलाइन जमानत के लिए पैसे भेजो और अपना पूरा शरीर दिखाओ, जिसमें चेस्ट पर टैटू बना है। ताकि तुम्हारी पहचान की जा सके। वीडियो बनाने के बाद वह शख्स छात्रा को ब्लैकमेल करने लगा। 38000 रुपये ऐंठने के बाद एक लाख की और डिमांड करने लगा। ऐसे में छात्रा ने पुलिस से शिकायत कर केस दर्ज करवाया है।

मामला कैंट थाना क्षेत्र का है। मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज गोरखपुर में नागालैंड के दीमापुर जिले की रहने वाली एक छात्रा पढ़ाई कर रही है। उसके मोबाइल फोन पर रविवार सुबह 11:30 बजे फोन आया कि तुमने बैंक से लोन लिया है, लेकिन उसे चुकाया नहीं है। इसके चलते तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज हो चुका है। मैं एसबीआई से बोल रहा हूं। एक लाख मूलधन और ब्याज तत्काल चुका दो, अन्यथा तुम अरेस्ट हो जाओगी।

इतना कह कर उस व्यक्ति ने फोन रख दिया। फिर थोड़ी देर के बाद छात्रा को व्हाट्सएप कॉल आया। उसमे दिख रहा शख्स पुलिस की वर्दी में था। उसने कहा कि तुम्हारे खिलाफ हैदराबाद में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। तुम जितना जल्दी हो सके यहां आकर अपनी जमानत करवा लो, अन्यथा पुलिस यहां से जाएगी और तुम्हें अरेस्ट कर लेगी। छात्रा ने बताया कि हमने कोई लोन नहीं लिया है। हमारे खिलाफ फिर क्यों केस दर्ज हुई है? उस व्यक्ति ने कहा कि यह सब मैं नहीं जानता। तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज हो गया है। तुम्हारी बात सच है या बैंक वालों की बात, यह तो बाद में ही पता चलेगा जब तुम्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

चेस्ट पर टैटू दिखाने की डिमांड

छात्रा यह सुनकर डर गई। उसने अपनी मजबूरी बताते हुए कहा- इतनी जल्दी वहां आना मुश्किल है। तो हैदराबाद से पुलिस अधिकारी बनकर फोन करने वाले शख्स ने कहा कि तुम ऑनलाइन अपनी जमानत करवा लो। इसके लिए 38000 लगेंगे। तत्काल उसको ट्रांसफर करो। छात्रा ने उसके बताए अनुसार पैसे ट्रांसफर कर दिए। उसके बाद उस शख्स ने कहा कि तुम्हारे चेस्ट पर टैटू है, उसे दिखाओ क्योंकि बिना उसे देख तुम्हारी पहचान नहीं हो पाएगी और जमानत भी नहीं मिलेगी। ऐसे में पुलिस तुम्हारे खिलाफ कार्रवाई करेगी।

छात्रा ने कपड़े उतारे

मरता क्या न करता। छात्रा ने उस व्यक्ति के कहने के अनुसार अपने कपड़े उतार दिए। उसके बाद फोन कट गया। तत्काल बाद फिर फोन आया और सामने वही व्यक्ति था। उसने कहा कि तुम्हारा अश्लील वीडियो बन गया है। तुम तत्काल ₹100000 और भेजो, अन्यथा यह पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाएगा। तुम कहीं मुंह दिखाने के लायक नहीं हो रहोगी। अपने घर वालों को क्या जवाब दोगी? छात्रा ने पैसा देने में असमर्थता बताई तो सामने वाले शख्स ने धमकी दी कि तब अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। उसने फोन काट दिया। परेशान होकर छात्रा नजदीकी थाने पहुंची।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया- छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने अनजान दोनों नम्बरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दोनों व्यक्तियों की पहचान के लिए छानबीन की जा रही है। साक्ष्यों व तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

पहले भी लोग हो चुके हैं डिजिटल अरेस्ट का शिकार

गोरखपुर शहर में अब तक तमाम लोग डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो चुके हैं। पुलिस हमेशा लोगों को सतर्क रहने के लिए कहती है। बावजूद इसके लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। कहीं भी पुलिस की डिक्शनरी में डिजिटल अरेस्ट शब्द का उल्लेख नहीं है। यानी कि पुलिस इस तरह की कोई कार्रवाई नहीं करती है।

क्या बोले साइबर एक्सपर्ट?

इस संबंध में साइबर एक्सपर्ट उपेंद्र सिंह ने बताया- डिजिटल अरेस्ट एक तरह से ठगी का नया तरीका है। साइबर अपराधी लोगों की सोशल नेटवर्क के माध्यम से जानकारी हासिल कर लेते हैं और उसको डरा धमकाकर जितना भी संभव होता है उससे पैसे ऐंठते हैं। वे वीडियो कॉल के जरिए यह धमकी भी देते हैं कि यदि आप घर से बाहर निकले तो आपके खिलाफ कार्रवाई हो जाएगी।

पहले भी आ चुके हैं ऐसे मामले सामने

24 मई को गोरखपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र के रहने वाले एक स्कूल प्रिंसिपल को डिजिटल अरेस्ट करके ठगों ने 12.56 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। यही नहीं मिर्जापुर मोहल्ले के रहने वाले व एक कम्पनी में मैनेजर से ठगों ने सीबीआई अफसर बनकर 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 14,96000 रुपये ले लिए।

तमाम मामले प्रकाश में आने के बाद भी लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। पुलिस पहले भी सतर्क कर चुकी है। उसका कहना है कि हम लोग कभी डिजिटल अरेस्ट नहीं करते हैं। इस तरह के जालसाजों से इंसान को बचाना चाहिए। यही नहीं सोशल मीडिया पर भी पार्ट व फुल टाइम जब या किसी भी तरह के लुभावने ऐड के चक्कर में पड़कर अपनी व्यक्तिगत जानकारी शेयर ना करें। अन्यथा धोखाधड़ी व ठगी होने से कोई रोक नहीं पाएगा।

कर्ज के लिए लूट! बैंक मैनेजर ने कहा- 40 लाख उड़ाए, चोर बोला- 36 लाख ही लिए... 4 लाख के फेर में फंसी पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली में एक्सिस बैंक में 40 लाख की लूट का हैरतंगेज खुलासा हुआ है। इस मामले में बड़ी बात यह कि बैंक मैनेजर ने एफआईआर में 40 लाख रुपये की लूट की सूचना दी थी, लेकिन लूटेरे ने कहा कि उसने तो केवल 36 लाख ही लूटे हैं। उसने पुलिस की पूछताछ में 36 लाख रुपयों का हिसाब भी दे दिया। ऐसे में अब पुलिस उन 4 लाख रुपयों की खोजबीन में जुट गई है, जो बैंक मैनेजर के मुताबिक लूटे तो गए, लेकिन लूटेरे के पास नहीं मिले। इन रुपयों की तलाश में अब पुलिस बैंक मैनेजर और कैशियर से भी पूछताछ करने वाली है। पुलिस के मुताबिक लूटेरे की पहचान लिलोंन गांव के रहने वाले अमरजीत के रूप में हुई है। बता दें कि एक अक्टूबर की दोपहर सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के धीमानपुरा फाटक के पास स्थित एक्सिस बैंक में दिनदहाड़े लूट हुई थी। तमंचा लेकर बैंक में घुसे बदमाश अमरजीत ने बैंक मैनेजर से कहा कि उसके ऊपर 39 लाख रुपये का कर्जा है। उसने 40 लाख रुपये मांगे, कहा कि नहीं देने पर वह उन्हें गोली मारने के बाद सुसाइड कर लेगा। उसके हाथ में तमंचा और आंखों में जुनून देखकर बैंक मैनेजर डर गए और उन्होंने तत्काल कैशियर से 40 लाख रुपये मंगाकर लूटेरे को दे दिया।

लूटेरे ने गिना दिया 36 लाख का हिसाब

वहीं बदमाश के वहां से निकलते ही पुलिस में 40 लाख की लूट की रिपोर्ट लिखा दी। इस घटना की खबर सुनते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एडिशनल एसपी संतोष कुमार सिंह के मुताबिक आनन फानन में हुमन इंटेलिजेंस के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस को सक्रिय कर दिया गया। वहीं आरोपी की पहचान होते ही उसे अरेस्ट करते हुए 30 लाख 20 हजार रुपए बरामद कर लिया गया। वहीं पूछताछ के बाद आरोपी ने उन 5 लाख 80 हजार रुपयों के बारे में भी बता दिया, जो उसने कर्ज चुकाने के लिए अलग अलग लोगों को दिए थे।

4 लाख रुपयों की रिकवरी में उलझी पुलिस

उसने पुलिस को पूरी साफगोई के साथ बता दिया कि उसने बैंक से 40 लाख नहीं, बल्कि केवल 36 लाख रुपये ही लूटे थे। आरोपी के इस कबूलनामे के पुलिस की उलझन और बढ़ गई है। यह उलझन उन 4 लाख रुपयों की वजह से है जो बैंक मैनेजर के मुताबिक लूटे तो गए हैं, लेकिन लूटेरे के पास नहीं मिले। अब पुलिस ने लूटेरे अमरजीत से पूछताछ के बाद उसे अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। वहीं बाकी 4 लाख रुपयों की रिकवरी के लिए अब पुलिस बैंक मैनेजर और कैशियर से पूछताछ करेगी। पुलिस को आशंका है कि इस वारदात में बैंक मैनेजर ने जानबूझकर 4 लाख की रकम बढ़ाकर लिखाई हो सकती है।

सौ शैय्या युक्त मातृ शिशु स्वास्थ विंग में तैनात डॉक्टर की बड़ी लापरवाही

मीरजापुर। मुख्यालय स्थित सौ शैय्या युक्त मातृ शिशु स्वास्थ विंग में तैनात डॉक्टर की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां डॉक्टर की लापरवाही से डिलीवरी के बाद नवजात शिशु की मौत हो गई है। जिससे आक्रोशित परिजनों ने नवजात का शव अस्पताल के गेट पर रखकर श हंगामा कर दिया, इससे अफरातफरी मच गई। मरीज के परिजनों का आरोप रहा है कि, ड्युटी पर तैनात डॉक्टर पीयूष अस्पताल में मौजूद नहीं थे। जिनकी अनुपस्थिति में ड्युटी पर मौजूद नर्स व्हाट्सएप पर वीडियो काल के जरिए डॉक्टर पीयूष से दवा पूछ ईलाज कर रही थीं। तीमारदारों का आरोप है कि हालत बिगड़ने पर परिजनों को नही दी गई कोई सूचना। मामले की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस जॉच में जुटी हुई है। महिला अस्पताल परिसर में मौजूद एमसीएच विंग का मामला जो सदैव रहता है सुर्खियों में इसके पहले भी मौत और लापरवाही को लेकर हो चुका है हंगामा।

गाजीपुर में बाहुबली जैसा सीन! कंधे पर बेटे को बैठाकर नदी पार कर रहा था पिता, जान देकर लाल को बचा गया; रुला देगी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। फिल्म बाहुबली में एक सीन है। राजमाता शिवगामी बाहुबली को लेकर उफनती नदी पार करने की कोशिश करती हैं। कुछ दूर आगे बढ़ने पर शिवगामी नदी में डूबने लगती हैं, लेकिन वे ऊपर हाथ कर बाहुबली को पकड़े रहती हैं। अंत में शिवगामी डूब जाती हैं और बाहुबली बच जाते हैं। यह सीन बेहद भावुक करने वाला है। कुछ ऐसा ही हुआ उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में। यहां एक पिता अपने चार साल के बेटे को कंधे पर बैठाकर नदी पार करने की कोशिश में डूब गया। हालांकि, बच्चे की जान बच गई।

जंगीपुर थाना क्षेत्र के ताजपुर गांव के रहने वाले सुरेश बिंद विजयादशमी के दिन घरवालों को दशहरे का मेला दिखाने के लिए नदी पार कर पास के गांव में गए हुए थे। रात को सुरेश बिंद मेला देखकर वापस नदी के घाट पर आए तो देखा

कि नाव नहीं है। दरअसल, नाव नदी के उस पार थी। चूंकि, नदी ज्यादा गहरी नहीं थी, इसलिए सुरेश बिंद चार साल के बेटे को कंधे पर बैठाकर नदी पार करने लगे।

कंधे पर बैठाकर नदी पार कर रहे थे

सुरेश बिंद नदी पारकर लगभग उस पार पहुंचने वाले ही थे कि अचानक वह गहरे पानी में चले गए। इस दौरान बेटा उनके कंधे पर ही बैठा रहा। तब सुरेश बिंद नदी में खड़ी एक नाव की रस्सी को पकड़ लिए। लेकिन चूंकि बेटा भी उन्हीं के कंधे पर था, इसलिए कंधे पर भार बढ़ने की वजह से पानी के अंदर उनका दम घुट गया और मौत हो गई।

शव को नदी से बाहर निकाला गया

हालांकि, सुरेश बिंद मरने से पहले बेटे को नाव की रस्सी पकड़ा दिए। बेटा उसी रस्सी के सहारे नाव पर चढ़ गया और उसकी जान बच गई। वहीं, सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम पूरी रात नदी में सुरेश बिंद को ढूंढती रही। सुबह पास के गांव के रहने वाले गोताखोर विजय निषाद को पुलिस ने बुलाया। विजय निषाद ने काफी मशक्कत के बाद सुरेश के शव को पानी से बाहर निकाला।

घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल

मृतक सुरेश बिंद मजदूरी करके घर चलाता था। इस घटना से गांव में सन्नाटा पसर गया है। घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे। जंगीपुर थाना अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

छतों से फेंके गए पत्थर, तलवार-लाठियों से हमला... 23 पर केस; कौशाम्बी के बवाल की कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले के बलीपुर नारा गांव में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान जमकर बवाल हुआ था। आरोप है कि धार्मिक चबूतरे पर गुलाल पड़ने के बाद एक समुदाय के लोगों ने प्रतिमा विसर्जन यात्रा में शामिल लोगों पर पथराव किया और महिलाओं के साथ अभद्रता की। इस दौरान महिलाओं सहित सात लोगों को चोटें आईं। दूसरे पक्ष से भी चार लोग घायल हैं। अब पुलिस ने 23 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रविवार को एडीजी और आईजी गांव पहुंचे। दोनों अफसरों ने एसपी से पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि उपद्रवियों के खिलाफ किसी तरह की नरमी न बरती जाए।

बलीपुर नारा गांव में नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा के बाद शनिवार की श्रद्धालु नदी में माता की प्रतिमा का विसर्जन करने जा रहे थे। इस दौरान अबीर-गुलाल उड़ाया जा रहा था। तभी रास्ते में स्थित धार्मिक चबूतरे पर गुलाल पड़ गया। एक समदाय विशेष के लोग इसका विरोध जताने लगे। एक युवक ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं ने उससे मोबाइल छीनने का प्रयास किया तो बात बढ़ गई।

आरोप है कि एक समुदाय विशेष के लोगों ने घरों की छतों से पथराव करना शुरू कर दिया। लाठी-डंडा व तलवार से हमला बोल दिया गया। दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। यात्रा में शामिल महिलाओं से बदसलूकी की गई। बवाल की सूचना के बाद डीएम मधुसूदन हुल्गी और एसपी बृजेश श्रीवास्तव कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह स्थिति पर काबू पाया। मारपीट-पथराव में दोनों पक्षों के दर्जन भर लोग घायल हुए हैं। गांव के मंदीप पुत्र दिनेश की तहरीर पर 23 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अन्य की तलाश की जा रही है। गांव में एहतियातन फोर्स तैनात की गई।

फिर बवाल होते-होते टला

मंझनपुर कोतवाली के बलीपुर नारा गांव में शनिवार के बाद रविवार की दोपहर एक बार फिर बवाल होते-होते टल गया। आरोप है कि विशेष वर्ग के लोगों के घरों का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया गया। गाली-गलौज करते हुए कुछ लोगों की पिटाई भी की गई। हालांकि, मौके पर रही फोर्स ने समय रहते स्थिति पर नियंत्रण पा लिया। एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि चार-पांच युवक गाली-गलौज कर रहे थे। पिटाई या तोड़फोड़ जैसी कोई बात नहीं हुई। आरोपी युवकों को हिरासत में ले लिया गया है।

गांव में पहुंचे अधिकारी

प्रयागराज रेंज एडीजी भानु भास्कर, आईजी प्रेम गौतम भी गांव पहुंचे और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। गांव मे पैदल गस्त कर दोनों अधिकारियों ने लोगों से बातचीत की। हालांकि, गांव में अब भी तनाव का माहौल है। भारी पुलिस फोर्स और पीएसी घटनास्थल पर तैनात है। मुस्लिम समाज के लोग अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। घटनास्थल वाले इलाके में मुस्लिम समाज के 4 घर हैं, एक घर को छोड़कर सभी लोग ग़ायब हैं।

बिजली चोरी व मीटर से छेड़छाड़ के खिलाफ चला अभियान, 16 के खिलाफ एफआइआर, काटे गए 472 कनेक्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। बिजली चोरी रोकने के लिए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का महाअभियान रविवार से आरंभ हुआ। जनपद में चेकिंग अभियान चलाया गया। बिजली चोरी करने वाले 16 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है। शहर में अब्दुलापुर, घंटाघर और संजय नगर में तड़के चेकिंग की गई। तीन मामले ऐसे पाए गए जो कटिया डाल कर बिजली चोरी कर रहे थे।

मुख्य अभियंता धीरज सिन्हा ने बताया कि चार उपभोक्ताओं के घरों में लगे मीटर से छेड़छाड़ पाई गई। छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। बताया कि एक माह तक अभियान जारी रहेगा। मुख्य अभियंता जोन दो वाइएन राम ने बताया कि महाअभियान के तहत घर-घर जा कर चेकिंग की जा रही है। मीटरों की भी जांच की जा रही है। मवाना, सरधना में महाअभियान के तहत 25.84 लाख रुपये जमा कराया गया। मीटर टेंपर्ड करने वाले 14 उपभोक्ताओं के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई। 69 खराब मीटरों को बदला गया। 472 बकाएदारों के कनेक्शन काटे गए। 1625 उपभोक्ताओं को नोटिस दिया गया।

सूचना देंगे तो एफआईआर दर्ज नहीं होगी

मुख्य अभियंता वाइएन राम ने बताया कि अगर किसी उपभोक्ता ने लालच वश या बहकावे में आकर मीटर से छेड़छाड़ कराई की है अगर वह सूचना देता है तो उस पर एफआइआर दर्ज नहीं कराई जाएगी। कुल जुर्माना का 25 प्रतिशत जमा कर मीटर बदल दिया जाएगा।

आज यहां बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

जागरण संवाददाता, मेरठः उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जगह-जगह मरम्मत कार्य चल रहा है। जिससे शटडाउन लिया जाएगा और आपूर्ति बाधित रहेगी। सदर बिजली उपकेंद्र पर सोमवार को कंट्रोल पैनल बदलने का कार्य किया जाएगा। कार्य सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। इस दौरान सदर बाजार, बांबे बाजार, रविंद्र पुरी, ढोलकी मोहल्ला, रजबन, वेस्ट एंड रोड, शिवाजी कालोनी, कबाड़ी बाजार, सदर सराफा की आपूर्ति बाधित रहेगी। वहीं, बच्चा पार्क बिजली उपकेंद्र से संबद्ध कृष्णापाड़ा, बजाजा बाजार, ठठेरवाड़ा, छत्ता अनंतराम, में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। पीएल शर्मा अस्पताल उपकेंद्र से संबद्ध पटेल नगर फीडर में सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। उधर, एल ब्लाक बिजली उपकेंद्र से संबद्ध शेरगढ़ी, रामापुरम, वसुंधरा कालोनी, प्रवेश विहार में बिजली आपूर्ति सुबह 10.30 बजे से 2:30 बजे तक बाधित रहेगी।

संजय निषाद के साथ क्या बीजेपी ने कर दिया 'खेला', पहले हाथ से निकला विधायक अब सीट पर भी खतरा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बीजेपी ने अपना ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। उपचुनाव को लेकर दिल्ली में रविवार को बीजेपी शीर्ष नेतृत्व के साथ यूपी नेताओं की अहम बैठक हुई। इस दौरान ये फॉर्मूला तय किया गया कि 9 सीट पर बीजेपी खुद चुनाव लड़ेगी और एक सीट आरएलडी के खाते में जाएगी। निषाद पार्टी के कब्जे वाली मझवां सीट पर भी बीजेपी ने अपना कैंडिडेट उतारने का प्लान बनाया है। इस तरह निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद के साथ उपचुनाव में बीजेपी ने सियासी 'खेला' कर दिया।

उपचुनाव में संजय निषाद दो सीटें मांग रहे थे, जिसमें एक सीट मझवां और दूसरी कटेहरी थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के साथ गठबंधन में रहते हुए निषाद पार्टी

ने इन दोनों ही सीटों पर चुनाव लड़ा था। मझवां जीत पर निषाद पार्टी के विधायक भी चुने गए थे, जो 2024 में बीजेपी के टिकट पर भदोही से चुनाव लड़कर सांसद चुने गए हैं। इसीलिए निषाद पार्टी दो सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद लगाए हुए थी।

अब सीट पर मंडरा रहा खतरा

संजय निषाद ने शनिवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात की थी। निषाद पार्टी की ओर से कटेहरी और मझवां सीट की मांग की जा रही थी। संजय निषाद का तर्क दिया जा रहा था कि 2022 विधानसभा चुनाव में दोनों सीटें गठबंधन में उनकी पार्टी को मिली थी। ऐसे में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए बीजेपी को उपचुनाव में यह दोनों सीटें निषाद पार्टी को देनी चाहिए। ऐसे में बीजेपी ने संजय निषाद की दो सीटों वाली मांग को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।निषाद पार्टी के हाथ से पहले विधायक निकला और अब सीट पर खतरा मंडरा रहा।

मीरापुर सीट छोड़ने का निर्णय

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में हुई उच्चस्तरीय बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ ही उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह शामिल हुए थे। इस दौरान बैठक में मीरापुर सीट आरएलडी के लिए छोड़ने का निर्णय भी किया गया है। यह सीट पहले भी आरएलडी के पास ही थी, लेकिन निषाद पार्टी को उपचुनाव लड़ने के लिए कोई सीट नहीं मिलेगी। निषाद पार्टी के कब्जे वाली सीट पर भी बीजेपी अपना उम्मीदवार उतारेगी। भूपेंद्र चौधरी और उपमुख्यमंत्री मौर्य को निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद के साथ बातचीत करने का जिम्मा सौंपा गया है।

बीजेपी के फार्मूले पर रजामंद होंगे निषाद

मिर्जापुर की मझवां विधानसभा सीट से निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद को बीजेपी ने अपने साथ मिलाकर 2024 में भदोही लोकसभा सीट से मैदान में उतारा था। विनोद कुमार बिंद बीजेपी से सांसद बनने में कामयाब रहे हैं। अब मझवां विधानसभा सीट को उपचुनाव में निषाद पार्टी को न देकर बीजेपी ने वहां से अपना प्रत्याशी उतारने की तैयारी की है। अब देखना है कि योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद क्या बीजेपी के फार्मूले पर रजामंद होते हैं या नहीं। हालांकि, उन्हें साधने का जिम्मा बीजेपी ने अपने बड़े नेताओं को दिया है।

सियासी रिस्क नहीं लेना चाहती बीजेपी

बीजेपी ने उपचुनाव में जिस तरह आरएलडी को उसके कब्जे वाली मीरापुर सीट मिली है, उस तरह निषाद पार्टी की मझवां में उपचुनाव लड़ने की उम्मीदें पूरी नहीं होती दिख रहीं। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन को देखते हुए फैसला लिया है। 2024 में निषाद पार्टी का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा। निषाद पार्टी मुखिया डॉ संजय निषाद के बेटे प्रवीण कुमार निषाद संतकबीर नगर सीट से नहीं जीत सके जबकि निषाद बहुल सीट थी। इसीलिए बीजेपी आगामी उपचुनाव में कोई सियासी रिस्क नहीं लेना चाहती।

हर में उपचुनाव जीतना चाहती है पार्टी

यूपी उपचुनाव को 2027 का सेमीफाइनल माना जा रहा, जिसके चलते बीजेपी हर हाल में चुनावी जंग जीतना चाहती है। यही वजह है कि बीजेपी ने मझवां विधानसभा सीट निषाद पार्टी को न देकर अपना प्रत्याशी उतारने की रूपरेखा बनाई है। निषाद पार्टी के मुखिया डॉ संजय निषाद अब केंद्रीय अमित शाह से मुलाकात कर अपनी बात रखेंगे। ऐसे में देखना है कि संजय निषाद उपचुनाव में अब बीजेपी की शर्तों को मंजूर करते हैं या फिर एनडीए से अलग रास्ता तलाशेंगे?

सीएम डैशबोर्ड एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक संपन्न

आर्यावर्त संवाददाता

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में माह सितम्बर के शासन द्वारा निर्धारित सीएम डैशबोर्ड एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। डीएम ने सोलर स्ट्रीट लाइट, एकीकृत बागवानी, विद्युत आपूर्ति, कृषि रक्षा रसायन, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, फसल बीमा योजना, कुसुम योजना, आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा के कार्यों, सड़कों का निर्माण, एम्बुलेंस संचालन, स्वास्थ्य सुविधाएं, राज्य वित्त, 15वां वित्त आयोग, पर्यटन विकास कार्यों, निपुण भारत अभियान, पोषण मिशन, मिड-डे मील, गोवंशों का संरक्षण, पशु टीकाकरण, शादी अनुदान योजना, मत्स्य संपदा योजना, पेंशन योजनाएं, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, श्रम सम्मान योजना, पारिवारिक लाभ योजना, एक जनपद एक उत्पाद आदि विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। आजीविका मिशन के संबंध में जिलाधिकारी ने डीसी एनआरएलएम को निर्देशित किया कि जो जमीन विवादित है उसका निस्तारण कराकर इस माह सुधार कराए। फैमिली आईडी के संबंध में समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी व जिला दिव्यांग अधिकारी को निर्देशित किए हैं कि पेंशन व उप कृषि निदेशक किसान सम्मान निधि से लाभार्थियों को लाभ दिला कर सीएम डैशबोर्ड के रैंकिंग में सुधार कराए। निराश्रित गोवंश के लिए जिन नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है समय-समय पर अपनी जिम्मेदारियों के साथ निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित करे। प्रोजेक्ट अलंकार के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि संबंधित एसडीएम से वार्ता कर जमीन संबंधी विवादो का निस्तारण कराए।

नाश्ते में शामिल करें प्रोटीन से भरपूर ये चीजें, बनाना भी है बेहद आसान

प्रोटीन हमारे शरीर के सही कार्य करने के लिए मांसपेशियों, हड्डियों, स्किन और बालों की ग्रोथ के लिए साथ ही शरीर में एनर्जी बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। ऐसे में आप नाश्ते में इन प्रोटीन से भरूपर इन चीजों को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

दिन की शुरुआत अगर अच्छी हो तो सारा दिन अच्छा जाता है ऐसे आपने भी अपने बड़े-बुजुर्गों को कहते हुए सुना ही होगा। इसे अलावा सुबह अगर आप नाश्ते में हेल्दी और शरीर को एनर्जी देने वाली चीजों का सेवन करेंगे तो इससे न सिर्फ शरीर एनर्जेटिक महसूस करेगा बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। सुबह का नाश्ता हर व्यक्ति के दिन की सबसे जरूरी मील होता है। इसे दिन का सबसे जरूरी भोजन भी माना जाता है। अगर सुबह हेल्दी नाश्ता ना किया जाए या हेल्दी चीजों का नाश्ते में सेवन न किया जाए तो इससे दिनभर कमजोरी, आलस महसूस हो सकता है इसके अलावा काम की प्रोडक्टिविटी पर भी इसका असर पड़ता है।

आप नाश्ते में प्रोटीन से भरपूर इन चीजों का सेवन कर सकते हैं। न्युट्रिशियन मनकीरत कौर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर की है जिसमें उन्होंने प्रोटीन के फायदे के साथ ही नाश्ता में शामिल करने वाले प्रोटीन से भरपूर डिशेज के बारे में बताया है। हेल्दी और फिट रहने के लिए प्रोटीन बेहद जरूरी है। ये हमारी शरीर को एनर्जी देने में मददगार साबित होता है।

एक्सपर्ट ने कैप्शन में इसके फायदों के बारे में बताते हुए लिखा है कि प्रोटीन हमारे शरीर में मांसपेशियों, हड्डियों, स्किन और बालों के साथ ही टिशू के निर्माण और रिपेयर करने के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा प्रोटीन एंजाइम, हार्मोन और अन्य बायोमोलेक्यूल्स का उत्पादन करने के लिए जरूरी होता है जो शरीर के कई कार्यों जैसे कि मेटाबॉलिज्म और ग्रोथ में मदद करता है। आप नाश्ते में प्रोटीन से भरपूर इन चीजों को शामिल कर सकती हैं।

बेसन चीला

नाश्ते में आप बेसन चीला शामिल कर सकते हैं। इसमें बेसन के साथ आप मसाले हरी मिर्च, टमाटर और कई तरह की सब्जियों को मिलाकर स्वादिष्ट बेसन चीला बना सकते हैं।

ग्रीन मूंग दाल इडली

कई लोगों को इडली खाना बहुत पसंद होता है। ऐसे में आप ग्रीन मूंग दाल इडली बनाकर भी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको चाहिए होगा हरी मूंग दाल, सूजी, दही, अदरक, हरी मिर्च, नमक, सरसों के बीज। बेकिंग सोडा, नमक और धनिया का पत्ता।

उबले हुए स्प्राउट्स चाट

मूंग दाल को अच्छे से धोकर रात भर भिगो दे जब दाल अंकुरित हो जाए तो उसमें प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, शिमला मिर्च, हरा धनिया, चाट मसाला, नींबू का रस और नमक मिलाकर चटपटा स्प्राउट्स डाइट में शामिल कर सकते हैं।

उबले चने की चाट

वाइट चने को उबालकर उसमें प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, चाट मसाला, नमक और धनिया पाउडर मिलाकर चटपटी चाट बना सकते हैं।

पनीर भुर्जी

पनीर में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आप नाश्ते में पनीर की भुर्जी बनाकर नाश्ते में खा सकते हैं। लेकिन मसाले और तेल की मात्रा का ध्यान रखें।

मसाला आमलेट

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। ऐसे में आप आप सुबह नाश्ते में मसाला आमलेट बनाकर सेवन कर सकते हैं।

दलिया पनीर उपमा

नाश्ते में दलिया पनीर उपमा का सेवन भी एक बेस्ट ऑप्शन है। इसे बनने में भी ज्यादा समय नहीं लगेगा और स्वादिष्ट रहेगा।

क्विनोआ उपमा

क्विनोआ प्रोटीन से भरपूर होता है। ऐसे में आप सुबह नाश्ते में क्विनोआ का चटपटा उपमा भी नाश्ते में शामिल कर सकते हैं।

पालक स्मूदी

अगर आप स्मूदी पीना चाहते हैं तो आप पालक स्मूदी भी नाश्ते में शामिल सकते हैं। ये एक हेल्दी ऑप्शन है।

पीली मूंग दाल चाट

पीली मूंग दाल को कुछ समय के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद कढ़ाई में तेल मसाले। टमाटर और प्याज के साथ दाल मिक्स करके बनी पीली मूंग दाल भी सुबह के नाश्ते के लिए झटपट बनने वाली और हेल्दी ऑप्शन में से एक है।

ये गलतियां जोड़ों को बना देंगी कमजोर, कम उम्र में ही दर्द से हो जाएंगे परेशान

बढ़ती उम्र के लोगों में अक्सर जोड़ों के दर्द की समस्या देखी जाती है। वहीं मौसम में जब ठंडक ज्यादा होती है तो जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द हो सकता है। इसके अलावा भी जोड़ों में दर्द होने की कई वजह हो सकती हैं जो हड्डियों का कमजोर होना, यूरिक एसिड का बढ़ जाना, गठिया, चोट लग जाना आदि। भले ही पहले के वक्त में जोड़ों में दर्द होने के पीछे बढ़ती उम्र मानी जाती थी क्योंकि गठिया की समस्या एक उम्र के बाद होती थी, लेकिन आजकल कम उम्र में ही जोड़ों में दर्द की समस्या देखने को मिलती है, जिसके पीछे का कारण डेली रूटीन में की जाने वाली कुछ गलतियां हो सकती हैं।

मांसपेशियों में अकड़न रहना, जोड़ों में दर्द या शरीर कि किसी एक हिस्से में दर्द महसूस होना जैसी दिक्कतों पर वक्त रहते ध्यान देने की जरूरत होती है। ये किसी बड़ी समस्या का संकेत भी हो सकते हैं। इसके अलावा अपने रूटीन में सुधार करना चाहिए। जान लें कि किन वजहों से कम उम्र में जोड़ों में दर्द होने की दिक्कत हो सकती है।

पहली वजह है डाइट को लेकर लापरवाह होना

विटामिन डी, कैल्शियम, और मैग्नीशियम ऐसे न्यूट्रिएंट्स हैं जो शरीर में हड्डियों की मजबूती में अहम भूमिका निभाते हैं। अगर आप ऐसे फूड्स का सेवन नहीं करते हैं, जिससे आपको ये पोषक तत्व मिले तो कैल्शियम की कमी की वजह से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और कम उम्र में आपको जोड़ों में दर्द की दिक्कत हो सकती है। इसलिए अपनी डाइट में अंडा, ड्राई फिश, मिल्क व अन्य डेयरी प्रोडक्ट, साबुत अनाज, आदि शामिल करने चाहिए। मांसपेशियों के दर्द से बचने के लिए प्रोटीन युक्त चीजें लेनी चाहिए।

एक ही पोस्चर में घंटों तक बैठे रहना

सिटिंग जॉब करते हैं और एक ही पोस्चर में घंटों बैठे रहते हैं या फिर फोन चलाते वक्त या टीवी देखने के दौरान एक ही पोजीशन में बैठे रहते हैं तो इससे कंधे के जॉइंट, घुटनों, गर्दन और पीठ की मांसपेशियों में दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए कम से कम हर 40 मिनट पर ब्रेक लेकर हल्की स्ट्रेचिंग करनी चाहिए या फिर टहलना चाहिए और पोस्चर को सीधा रखकर काम करने की कोशिश करें।

बढ़ते वजन पर ध्यान न देना

वजन बढ़ रहा हो तो समय पर ध्यान दे देना चाहिए, नहीं तो फिट होने में काफी मुश्किल होती है। मोटापा डायबिटीज, दिल की बीमारी आदि के जोखिम को बढ़ाता ही है, इसके साथ ही इससे जोड़ों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे आपको दर्द की समस्या हो सकती है।

व्यायाम न करने की आदत होना

डेली रूटीन में योग, रनिंग, जॉगिंग, साइकलिंग, हल्की स्ट्रेचिंग आदि कोई भी फिजिकल एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए, क्योंकि मॉर्डन लाइफस्टाइल में खानपान काफी खराब हो गया है साथ ही ज्यादातर पूरा दिन काफी सुस्त रहता है, जिससे आपकी बॉडी में जरूरत के मुताबिक मूवमेंट नहीं हो पाते हैं और जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में जकड़न की समस्या हो सकती है। व्यायाम न करने की वजह से कई और शारीरिक समस्याएं होने की संभावना भी बढ़ती है।

अनहेल्दी खानपान रखना

कुछ लोग जहां अपनी डाइट बैलेंस नहीं कर पाते हैं तो वहीं साथ में अनहेल्दी भी खाते रहते हैं, जिस वजह से कई बीमारियां पकड़ सकती हैं। जैसे शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ जाना और इसके लक्षणों पर ध्यान न देना। जो गठिया में बदल सकता है, जिस वजह से कम उम्र में आप जोड़ों के दर्द से परेशान हो सकते हैं। कुछ लोगों के शरीर में यूरिक एसिड तब भी बढ़ जाता है जब वह अपने शरीर की जरूरत से ज्यादा हाई प्रोटीन डाइट लेते हैं।

चंदेरी और बनारसी साड़ी में क्या होता है अंतर? खरीदते वक्त ऐसे करें पहचान

चंदेरी और बनारसी साड़ियों का इतिहास काफी पुराना रहा है और महिलाएं खास मौके पर इन साड़ियों को पहनना काफी पसंद करती हैं, लेकिन देखने में लगभग एक जैसी लगने की वजह से कई बार कन्फ्यूजन हो जाती है। चलिए जान लेते हैं कैसे करें चंदेरी और बनारसी साड़ी में फर्क।

बनारसी, कांजीवरम, चंदेरी या फिर पाटन पटोला, हैंडलूम साड़ियां हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रही हैं। इन सभी साड़ियों का अपना समृद्ध इतिहास भी रहा है। शादी, त्योहार या फिर ऑफिशियल इवेंट...ओकेजन चाहे जो भी हो अगर हैंडलूम साड़ी पहन ली जाए तो परफेक्ट लुक मिल जाता है। फिलहाल आज बात कर लेते हैं चंदेरी और बनारसी साड़ी की। ये दोनों ही साड़ियां रिच लुक देती हैं और दोनों की अपनी अलग खासियत है। हालांकि चंदेरी और बनारसी साड़ियां देखने में लगभग एक जैसी लगती हैं और इसी वजह से महिलाओं को कई बार कन्फ्यूजन हो जाती है।

चंदेरी को जहां साड़ियों की रानी कहा जाता है तो वहीं बनारसी को उसके राजसी ठाठ के लिए जाना जाता है। फिलहाल अगर आप भी चंदेरी और बनारसी साड़ी में फर्क करने में कंफ्यूज हो जाती हैं या फिर आपको दोनों साड़ियों में क्या अंतर होता है ये नहीं पता है तो चलिए जान लेते हैं।

चंदेरी और बनारसी का इतिहास है पुराना

बनारसी साड़ी और चंदेरी साड़ी का इतिहास भी काफी पुराना रहा है। इसे मध्य प्रदेश के जिले अशोकनगर के शहर चंदेरी से जोड़ा जाता है और इसकी बुनाई की शुरुआत 13वीं शताब्दी में कोली बुनकरों द्वारा मानी जाती है। बनारसी साड़ी का इतिहास उत्तर प्रदेश के बनारस से जुड़ा हुआ है और इसे बनारस का जीआई टैग भी प्राप्त है। बनारसी सिल्क का जिक्र पुराने ग्रंथो में भी मिलता है तो वहीं इसके बारे में इतिहासकारों का मानना है कि भारत में इस कला को आगे बढ़ाना यह मुगलों की देन है।

कपड़े से करें पहचान

साड़ियों की रानी कहलाने वाली चंदेरी साड़ी में रेशम का ताना बुना जाता है तो वहीं बाने में कपास के बने धागों का इस्तेमाल किया जाता है। जब आप चंदेरी को देखेंगे या फिर छूएंगे तो ये काफी लाइट वेट महसूस होती हैं। वहीं बनारसी साड़ियों में की गई बुनाई की वजह से इसका फैब्रिक थोड़ा भारी लेकिन रेशमी होता है।

पैटर्न से करें पहचान

चंदेरी साड़ियों में सुनहरे धागों से जरी का काम किया जाता है और इसमें पारंपरिक डिजाइन जैसे सिक्का, मोर, पुष्प, आदि बनाए जाते हैं साथ ही ज्यामितीय डिजाइन भी चंदेरी में आपको मिल जाएंगे। बनारसी साड़ियों के डिजाइन में आपको जरोक्का पैटर्न मिलेगा। इसमें बूटों के अलावा पैसली, दोमक, अमरू, अंबी जैसे पैटर्न बने होते हैं। वहीं इसके पल्लू में काफी महीन और जटिल जरी की बुनाई कई गई होती है।

ऐसी होती है साड़ियों को बनावट

बनारसी साड़ी अगर सिल्क पर बुनी गई है और उसमें काफी कम जरी का काम है तो यह बहुत ही चिकनी और मुलायम होती है। इसकी कढ़ाई की बात करें तो जरी के धागो का इस्तेमाल होता है और जब आप छूकर देखेंगे तो हाथ से बुनी बनारसी साड़ी में पीछे की तरह फ्लोट्स होते हैं और मशीन से बुनी साड़ी में चिकनी फिनिश होती है। चंदेरी साड़ी की कढ़ाई काफी नाजुक होती है और इसमें नीचे की ओर आपको बूटों के किनारों पर धागे निकले हुए दिखाई देंगे।

जीआई टैग से कर सकते हैं पहचान

चंदेरी और बनारसी दोनों ही तरह की साड़ियों को जीआई टैग मिला हुआ है, इसलिए दोनों अंतर करने के साथ ही असली और नकली की पहचान करने के लिए आप जीआई टैग देख सकती हैं। पारंपरिक हाथों से बुनी साड़ियों में आपको जीआई टैग मिल जाएगा जो गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है।

एलआईसी की पॉलिसी खरीदते वक्त भूलकर भी ना करें इसे इग्नोर, अधिक उम्र वालों को हो जाती है परेशानी

एलआईसी के पास कुल 6 एंडोमेंट प्लान हैं, जिनमें सिंगल प्रीमियम एंडोमेंट प्लान, न्यू जीवन आनंद, जीवन लक्ष्य, जीवन लाभ और अमृतबाल जैसे लोकप्रिय प्लान्स शामिल हैं। इन सभी प्लान्स में ये बदलाव अप्लाई होता है। आइए इसे डिटेल में समझते हैं।

bआप एलआईसी की पॉलिसी खरीदने की सोच रहे हैं तो कंपनी द्वारा हाल ही में किए गए बदलाव के बारे में जान लेना चाहिए. इन बदलावों के तहत एलआईसी ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में प्रवेश की उम्र को 55 साल से घटाकर 50 साल कर दिया है। यह फैसला उम्रदराज लोगों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है, क्योंकि अब 50 साल की उम्र के बाद इस प्लान में प्रवेश नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा, प्रीमियम की दरों में भी लगभग 10% की बढ़ोतरी की गई है, जिससे पॉलिसीधारकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा।

लागू हो चुका है ये नियम

बता दें कि एलआईसी ने इन बदलावों को 1 अक्टूबर, 2024 से लागू कर दिया है। बीमा इंडस्ट्री के विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम कंपनी द्वारा अपने जोखिम को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है, क्योंकि इस उम्र के बाद मृत्यु दर में वृद्धि की संभावना अधिक होती है। एलआईसी के न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न केवल सुरक्षा कवर प्रदान करता है, बल्कि यह एक बचत योजना भी है। इसमें मृत्यु के मामले में परिवार को भुगतान किया जाता है, और पॉलिसी की अवधि पूरी होने पर पॉलिसीधारक को मैच्योरिटी लाभ मिलते हैं।

एलआईसी के पास हैं 6 प्लान

एलआईसी के पास कुल 6 एंडोमेंट प्लान हैं, जिनमें सिंगल प्रीमियम एंडोमेंट प्लान, न्यू जीवन आनंद, जीवन लक्ष्य, जीवन लाभ और अमृतबाल जैसे लोकप्रिय प्लान्स शामिल हैं। इन सभी प्लान्स में 1 अक्टूबर से बड़े बदलाव किए गए हैं।

इसके साथ ही, एलआईसी ने अपने सरेंडर वैल्यू नियमों में भी बदलाव किए हैं, जो लगभग 32 बीमा उत्पादों पर लागू होंगे। नए नियमों के तहत कुछ पॉलिसीधारकों को प्लान से निकलने पर मिलने वाली राशि में कमी आ सकती है।

गौरतलब है कि एलआईसी ने अपने न्यू जीवन आनंद और जीवन लक्ष्य प्लान्स में सम अस्योर्ड को 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया है। वहीं, प्राइवेट कंपनियों ने अपने एंडोमेंट प्लान्स में केवल 6 से 7 फीसदी तक की ही वृद्धि की है, जिससे इनकी प्रीमियम दरें तुलनात्मक रूप से कम हैं। एलआईसी के इन बदलावों को लेकर अभी तक कंपनी ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। उम्रदराज लोगों के लिए यह बदलाव काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे उनकी बीमा सुरक्षा पर असर पड़ सकता है।

क्या सिगरेट पीने वालों की बढ़ेगी टेंशन? सरकार ने इस प्रोडक्ट को बैन करने का लिया फैसला

मुंबई, एजेंसी। सरकार ने पॉकेट लाइटर के पुर्जों पर आयात प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। यह कदम घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और चीन से आने वाली खेप पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने ये जानकारी दी है कि पॉकेट लाइटर गैस से चलने वाले लाइटर रिफिल न किए जाने वाले या रिफिल किए जाने वाले लाइटर (सिगरेट लाइटर) के पुर्जों का आयात तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित है।

20 रुपए वाले लाइटर पर बैन

सरकार 20 रुपए से कम कीमत वाले सिगरेट लाइटर के आयात पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। सरकार ने घटिया सामान के आयात को रोकने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल आग पैदा करने वाले लाइटर के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानक जारी किए थे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान लाइटर पुर्जों का आयात 38 लाख अमेरिकी डॉलर रहा था।

इस वजह से सरकार ने लिया फैसला

देश का चीन को निर्यात जुलाई में 9.44 फीसदी घटकर 1.05 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 13.05 फीसदी बढ़कर 10.28 अरब डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जुलाई अवधि में चीन को निर्यात 4.54 फीसदी घटकर 4.8 अरब डॉलर रहा जबकि इंपोर्ट 9.66 फीसदी बढ़कर 35.85 अरब डॉलर रहा। इस तरह भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 31.31 अरब डॉलर रहा। चीन वित्त वर्ष 2023-24 में 118।4 अरब डॉलर के व्यापार (निर्यात और आयात) के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बनकर उभरा है।

पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 16.67 अरब डॉलर रहा था। पड़ोसी देश से आयात 3.24 प्रतिशत बढ़कर 101.7 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2022-23 के 83.2 अरब डॉलर से बढ़कर 85 अरब डॉलर हो गया। चीन 2013-14 से 2017-18 और 2020-21 में भारत का टॉप ट्रेडिंग पार्टनर था। चीन से पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) देश का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था। 2021-22 और 2022-23 में अमेरिका सबसे बड़ा भागीदार था।

दीपावली पर घर जाने वालों के लिए गुड न्यूज, हवाई सफर हुआ 25 फीसदी सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप दीपावली के मौके पर हवाई यात्रा कर घर जाना चाहते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। हवाई सफर करने वालों के लिए गुड न्यूज है कि पिछले साल की तुलना में इस बार औसत किराए में 20-25 फीसदी की कमी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ी हुई क्षमता और तेल की कीमतों में हाल में आई गिरावट के चलते कीमतों में कमी आई है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस रूट पर पिछले साल के मुकाबले कितना फीसदी किराया कम हो गया है।

ट्रैवल प्लेटफॉर्म इक्सिगो की रिपोर्ट के अनुसार घरेलू मार्गों पर औसत हवाई किराए में 20-25 फीसदी की गिरावट आई है। ये कीमतें 30 दिनों की एडवांस परचेज डेट के आधार पर एक तरफ के औसत किराए के लिए है। रिपोर्ट में 2023 के लिए समय अवधि 10-16 नवंबर है, जबकि इस साल यह 28 अक्टूबर-तीन नवंबर है।

इन रूट्स कितना कम हुआ किराया?

इस साल बेंगलुरू-कोलकाता उड़ान के लिए औसत हवाई किराया 38 फीसदी घटकर 6,319 रुपए रह गया है, जो पिछले साल 10,195 रुपए था।

चेन्नई-कोलकाता मार्ग पर टिकट की कीमत 8,725 रुपए से 36 फीसदी घटकर 5,604 रुपए रह गई है।

मुंबई-दिल्ली उड़ान के लिए औसत हवाई किराया 8,788 रुपए से 34 फीसदी घटकर 5,762 रुपये रह गया है।

इसी तरह, दिल्ली-उदयपुर मार्ग पर टिकट की कीमतों में 34 फीसदी की कमी आई है और यह 11,296 रुपए से घटकर 7,469 रुपए रह गई है।

दिल्ली-कोलकाता, हैदराबाद-दिल्ली और दिल्ली-श्रीनगर मार्गों पर यह गिरावट 32 फीसदी है।

क्यों कम हुआ किराया?

इक्सिगो समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आलोक बाजपेयी ने को बताया कि पिछले साल दिवाली के आसपास हवाई किराए में सीमित क्षमता के कारण उछाल आया था, जिसका मुख्य कारण गो फर्स्ट एयरलाइन का निलंबन था। उन्होंने बताया इस साल अतिरिक्त क्षमता जोड़ी गई है, जिससे अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रमुख मार्गों पर औसत हवाई किराए में 20-25 प्रतिशत की सालाना आधार पर गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर पिछले साल के मुकाबले इस साल कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली थी। जिसका असर भी देखने को मिला है। कच्चे तेल की कीमतों में कटौती से एयरलाइन के ऑपरेशनल कॉस्ट पर काफी असर देखने को मिलता है।

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का तीसरा प्रयास? हथियार और फर्जी पास के साथ संदिग्ध गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैलिफोर्निया के कोचेला में डोनाल्ड ट्रम्प की रैली के बाहर हथियार और फर्जी पास के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, गिरफ्तारी रैली शुरू होने से थोड़ी देर पहले, कोचेला में एवेन्यू 52 और सेलिब्रेशन ड्राइव के चौराहे के पास एक चेकपॉइंट पर हुई।

अधिकारियों को संदेह है कि यह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या का तीसरा प्रयास हो सकता है। न्यूज एजेंसी ने बताया कि संदिग्ध के पास एक भरी हुई बंदूक और एक हैंडगन और एक पत्रिका भी थी। रिवरसाइड काउंटी के शेरिफ चाड बियान्को ने कहा कि हमने शायद एक और हत्या के प्रयास को रोक दिया है।

दरअसल पुलिस ने रैली एंट्री गेट से लगभग आधा मील दूर एक चेकपॉइंट पर लास वेगास निवासी वेम मिलर (49) को रोका। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ चाड बियान्को ने कहा कि उसके पास फर्जी प्रेस और वीआईपी पास पाए गए, जिससे संदेह पैदा हुआ। बियान्को के अनुसार, मिलर, जिसे दक्षिणपंथी सरकार विरोधी समूह का हिस्सा माना जाता है, कथित तौर पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश रच रहा था।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मिलर, जिनके पास यूसीएलए से मास्टर डिग्री है और 2022 में नेवादा राज्य विधानसभा के लिए रेस में थे, उन पर एक भरी हुई बंदूक और एक फर्जी पास रखने के लिए मामला दर्ज किया गया था। समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को 5,000 डॉलर की जमानत के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया और 2 जनवरी, 2025 को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया।

वेम मिलर कौन है?

न्यूयॉर्क पोस्ट ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि वेम मिलर का छोटी-मोटी कानूनी झड़पों का एक लंबा इतिहास है, और माना जाता है कि वह संप्रभु नागरिकों के आंदोलन से जुड़ा हुआ है। षड्यंत्र के सिद्धांतों में निहित यह दूर-दराज़ समूह दावा करता है कि सरकारों के पास उन पर कोई वैध अधिकार नहीं है। यह आंदोलन न केवल करों और अदालती प्रणाली से बचने के प्रयास के लिए जाना जाता है, बल्कि इसके सदस्य नियमित यातायात रोक के प्रति भी विशेष रूप से प्रतिरोधी रहे हैं। एक उदाहरण में, 2023 में यूटा में यातायात रोकने के दौरान पुलिस की बात मानने से इनकार करने पर 25 साल के एक सशस्त्र सदस्य की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मिलर, एक रिपब्लिकन, कैलिफ़ोर्निया स्थित सीबीडी कंपनी का भी मालिक है और उसने सोशल मीडिया पर जबरदस्त महिला विरोधी बयानबाजी के साथ-साथ साजिश के सिद्धांतों को बढ़ावा दिया है।

इजराइल पर हिजबुल्लाह का अब तक का सबसे बड़ा हमला, आईडीएफ बेस पर दागे ड्रोन, सैनिकों की मौत-कई घायल

लेबनान, एजेंसी। इजराइल के शहर हाइफा के दक्षिण में मौजूद बिनयामीना सैन्य अड्डे को हिजबुल्लाह ने ड्रोन से निशाना बनाया है। इजराइली मीडिया के मुताबिक रविवार को हुए इस हमले में 4 इजराइली सैनिक मारे गए हैं और करीब 67 घायल हुए हैं। इस हमले में चिंता की बड़ी बात ये है कि इसको रोकने में एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह फेल रहा और एयर रेड सायरन भी नहीं बजे।

हिजबुल्लाह ने जिस ड्रोन से इजराइल पर हमला किया उसको रूसी ड्रोन बताया जा रहा है। हताहतों के मामले में ये हमला इजराइल पर हुए अब तक का सबसे बड़ा हमला है। रूसी ड्रोन के हमले ने इजराइल-लेबनान जंग में रुस की एंट्री को साबित कर दिया है और अब ईरान के हथियारों के साथ-साथ हिजबुल्लाह के पास रूस के हथियार भी आ गए हैं।

हिजबुल्लाह के इस हमले को दक्षिण लेबनान में इजराइली हमलों का प्रतिशोध बताया गया है। जिस वक्त ये हमला हुआ उस समय इजराइली सैनिक मेस में खाना खा रहे थे। इस हमले में घायल लोगों को करीब 50 एंबुलेंस से 7 अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हिजबुल्लाह ने ऑपरेशन के बाद एक बयान जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली है। बयान में कहा गया, "इस्लामिक रेजिस्टेंस ने रविवार 13 अक्टूबर 2024 की शाम को एक ऑपरेशन किया, जिसमें हाइफा के दक्षिण में बिन्यामीना में गोलानी ब्रिगेड के एक ट्रेनिंग कैंप पर हमलावर ड्रोन के एक स्क्वाड्रन (दस्ता) को लॉन्च किया गया।"

हिजबुल्लाह ने फिर दी चेतावनी

इस हमले के बाद हिजबुल्लाह ने एक बार फिर धमकी दी है और कहा है कि हाइफा में इजराइली सेना कुछ बस्तियों के घरों का इस्तेमाल अपने लिए कर रही है।

हिजबुल्लाह के बयान में कहा गया है, "लेबनान पर आक्रमण के लिए ऑपरेशन रूम के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले इजराइली ठिकाने हाइफा और तबरैया जैसे घनी आबादी वाले शहरों में हैं। ऐसे सभी घर और सैन्य ठिकाने इस्लामिक प्रतिरोध के रॉकेट और वायु सेना के लिए सैन्य लक्ष्य हैं। इसलिए, हम यहां रहने वालों को अगली सूचना तक अपने जीवन को बचाने के लिए इन सैन्य स्थलों के पास इकट्ठा होने के खिलाफ चेतावनी देते हैं।"

लेबनान में संकट में पीस फोर्स, अब यूएन ने ठुकरा दी इजराइल की ये मांग

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल सेना ने दक्षिण लेबनान में जारी अपने ऑपरेशन में UN पीस फोर्स को भी निशाना बनाया है। जिसके बाद 40 देशों ने इजराइल के इस कदम की निंदा की और पीस फोर्स पर हमला न करने की अपील की थी। वहीं इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार संयुक्त राष्ट्र से दक्षिणी लेबनान के उन क्षेत्रों से अपनी शांति सेना हटाने की मांग की है, जहां इजराइल हिजबुल्लाह का संघर्ष जारी है।

यूएन ने नेतन्याहू की इस मांग को ठुकरा दिया है और कहा है कि इजराइल-लेबनान सीमा पर यूनिफिल मौजूद रहेगी। अपने बयान में नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से हिब्रू में कहा, "अब समय आ गया है कि आप हिजबुल्लाह के गढ़ों और युद्ध के क्षेत्रों से यूनिफिल को हटा लें।"

नेतन्याहू की यह बयान संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के उस बयान के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि रविवार को दो इजराइली टैंक लेबनान में पीस फोर्स की पोस्ट में घुस आए थे। हालांकि IDF ने कहा है कि यह घटना गोलीबारी में घायल इजराइली सैनिकों को निकालने की कोशिश के दौरान हुई है। इससे पहले यूनिफिल ने जानकारी दी थी कि इजराइली गोला बारी में उसके 5 सैनिक घायल हुए हैं।

यूएन ने साफ किया है कि उसके सैनिक लेबनान सीमा पर तैनात रहेंगे। लेबनान सीमा पर यूनिफिल के करीब 10 हजार सैनिक मौजूद हैं, इनमें स्पेन, फ्रांस, चीन समेत भारत के सैनिक भी तैनात हैं। 2006 के हिजबुल्लाह इजराइल युद्ध के बाद यूनिफिल को यहां तैनात किया गया था और एक ब्लू लाइन बना हिजबुल्लाह और इजराइल सेना के वहां आने पर पाबंदी लगाई थी, ताकि भविष्य में फिर टकराव न हो सके।

"अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन नहीं"

लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने नेतन्याहू के यूनिफिल सैनिकों को हटाने के मांग की निंदा करते हुए कहा, "नेतन्याहू ने गुटेरेस को जो चेतावनी दी है, जिसमें यूनिफिल को हटाने की मांग की गई है, यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन न करने के दुश्मन के नजरिए को दर्शाता है।"

उधर अमेरिका का इजराइल को ग्रीन सिग्नल, इधर ईरान ने भी दोस्ती के साथ कर ली तैयारी

ईरान। ईरान पर हमले की तैयारी पूरी कर ली गई है और उसके ऊपर कभी भी हमला किया जा सकता है। ये हमला कहा किया जाएगा ये भी तय हो चुका है, अब किसी भी वक्त इजराइल ईरान में तबाही मचा सकता है। उसे अमेरिका के सिग्नल का इंतजार था, जो मिल चुका है। बेंजामिन की युद्ध कैबिनेट में पहले ही हमले को लेकर मुहर लग चुकी है।

बाइडेन के रुख में हमले को लेकर जैसी ही बदलाव हुआ वैसे ही इजराइल ने ईरान के रक्षा ठिकाने और मिसाइल साइट पर हमले का पूरा प्लान तैयार कर लिया। उधर ईरान ने भी चेतावनी दी है कि अगर इजराइल हमला करता है तो मध्य पूर्व में परमाणु युद्ध का अलार्म बज जाएगा।

ईरान को किसका सहारा?

इजराइल की तैयारियों से लग रहा है कि किसी भी वक्त मध्य पूर्व में एक बड़ी जंग हो सकती है। जहां इजराइल को अमेरिका और ब्रिटेन की फुल सपोर्ट है, तो वहीं ईरान भी अकेला नहीं है। ईरान को इस जंग में रूस की पूरी मदद मिल रही है, इसके अलावा बेलारूस, चीन और नॉर्थ कोरिया भी ईरान के साथ हैं।

अल्जीरिया पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू, भारतीय समुदाय को किया संबोधित

ईरान भी अब करारा पलटवार करने की बात कर रहा है। ईरान के निशाने पर मोसाद हेडक्वार्टर है जहां पिछले हमले में एक मिसाइल भी दागी गई थी। मिसाइल एकदम कमांड सेंटर के पास गिरी, जिसमें एक रडार सिस्टम को भीषण नुकसान पहुंचा है। ईरान आगे भी ऐसे ही ठिकानों को निशाना बना सकता है, ईरान ने अपने दो हमलों में अपने तेवर और ताकत दोनों दिखा दिए हैं।

इजराइली की तैयारी

इजराइल ने कहा है कि ईरानी मिसाइल हमले पर इजराइल की प्रतिक्रिया घातक, सटीक और आश्चर्यजनक होगी। इससे लगता है कि अमेरिका ने इजराइल की कैबिनेट में चल रही गुटबाजी पर विराम लगवा दिया है और अब सबको साथ लेकर ईरान के मंसूबे रौंदने का ऐलान हो गया है। इजराइल ने अमेरिका के इशारे पर ईरान के न्यूक्लियर टारगेट फिक्स कर लिए हैं। जिसमें इस्फहान और फोर्दो का नाम सबसे ऊपर है, क्योंकि इन्हीं दो सेंटर पर ईरान ने परमाणु बम बनाए हैं। इसकी खुफिया जानकारी मोसाद ने पेंटागन को दी है। ईरान की हर हरकत पर सेटेलाइट्स से नजर रखी जा रही है और इस बात पर चर्चा हो रही है कि ईरान हमले का जवाब किस तरह दे सकता है।

हाईकोर्ट ने मेमोरी कार्ड मामले की दोबारा जांच की याचिका की खारिज

तिरुवंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने 2017 के अभिनेत्री उत्पीड़न मामले में मेमोरी कार्ड के लीक होने की नई सिरे से जांच वाली याचिका खारिज कर दी। बता दें, यह मेमोरी कार्ड इस मामले में काफी अहम सबूत है। हमले के मामले में पीड़िता ने इस साल आठ जनवरी को एर्नाकुलम सत्र और जिला न्यायाधीश द्वारा पेश की गई फैक्ट फाइंडिंग जांच रिपोर्ट को खारिज करने और मामले की नए सिरे से जांच का आदेश देने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने याचिका को सुनवाई के लायक नहीं मानते हुए इसे खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्यवाही की मांग कर सकता है। पीड़िता ने याचिका में दावा किया था कि मेमोरी कार्ड तक अवैध पहुंच के संबंध में जांच रिपोर्ट को पढ़ने मात्र से संकेत मिलता है कि जांच कर रहे प्राधिकरण ने कभी भी निष्पक्ष, स्वतंत्र और पूर्ण जांच नहीं की, जैसा कि हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था। उन्होंने दलील दी थी कि रिपोर्ट रद्द की जानी चाहिए। साथ ही आग्रह किया था कि कानून की गरिमा को बनाए रखने, कानूनी प्रणाली की शुद्धता बनाए रखने और निजता के अधिकार की रक्षा के लिए हाईकोर्ट की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा नए सिरे से जांच की जाए। उल्लेखनीय है कि तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर चुकीं एक अभिनेत्री को साल 2017 में कथित तौर पर अगवा कर लिया गया था। इस दौरान आरोपियों ने दो घंटे तक अभिनेत्री के साथ छेड़छाड़ की और बाद में फरार हो गए थे। आरोपियों ने अभिनेत्री को ब्लैकमेल करने के लिए छेड़छाड़ का वीडियो भी शूट किया था। इस मामले में पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार लोगों में अभिनेता दिलीप भी शामिल थे, जिन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय के नाम उपलब्धि, नौसेना में चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक का पद ग्रहण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय ने सोमवार को नौसेना में चिकित्सा सेवाओं के महानिदेशक का पद संभाला। प्रतिष्ठित आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज पुणे की पढ़ीं सहाय इससे पहले सेना के चिकित्सा कोर में कर्नल कमांडेंट पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अफसर रह चुकी हैं। नौसेना ने अपने बयान में बताया कि नौसेना में डीजीएमएस का पद लेने से पहले वह एएमएसी सेंटर और कॉलेज में पहली महिला कमांडेंट के तौर पर सेवाएं दे चुकी हैं। वह 30 दिसंबर 1986 को सेना के चिकित्सा कोर में कमीशन हुई थीं। नौसेना ने कहा कि कविता सहाय ने पैथोलॉजी और ओंकोपैथालॉजी में एम्स के जरिए विशेषज्ञता हासिल की है। वह आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च और रेफरल (एचआरआर) और बेस हॉस्पिटल दिल्ली कैंट (बीएचडीसी) में लैब साइंसेज की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

कांग्रेस का भाजपा और पीएम मोदी पर हमला,

'मेक इन इंडिया सीधे तौर पर बना फेक इन इंडिया'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार की तरफ से 'मेक इन इंडिया' के शुरुआत के समय बताए गए सभी उद्देश्य 'जुमले' साबित हुए हैं और 'मेक इन इंडिया' अब 'फेक इन इंडिया' बनकर रह गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि पिछले दशक में आर्थिक नीति निर्माण स्थिर, पूर्वानुमानित और समझदारी से कोसों दूर रहा है।अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा- जब नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने 2014 में अपने हर इवेंट की तरह बड़े धूम-धाम के साथ 'मेक इन इंडिया' की घोषणा की थी, तब चार उद्देश्य निर्धारित किए गए थे। 10 साल बाद उनकी वास्तविक स्थिति क्या है, इसे लेकर एक पड़तालः इसके साथ ही जयराम रमेश ने कुछ आंकड़े भी जारी किए

हैं।

उन्होंने अपने आंकड़ों में केंद्र सरकार के दावों को जुमला करार देते हुए उनकी हकीकत भी लिखी है, जो इस प्रकार से हैं...

पहला जुमला : भारतीय उद्योग की विकास दर को बढ़ाकर 12-14% प्रति वर्ष करना

हकीकत : 2014 के बाद से, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि दर औसतन लगभग 5.2% रही है।

दूसरा जुमला : 2022 तक औद्योगिक क्षेत्र में 100 मिलियन नौकरियां पैदा करना

हकीकत : मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या 2017 में 51.3 मिलियन थी, जो गिरकर 2022-23 में 35.65 मिलियन हो गई।

तीसरा जुमला : 2022 तक और बाद में 2025 तक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की हिस्सेदारी को GDP के 25% तक ले जाएंगे

हकीकत : भारत के सकल मूल्य वर्धन में मैन्युफैक्चरिंग का हिस्सा 2011-12 में 18.1% था। यह गिरकर 2022-23 में 14.3% रह गया है।

चौथा जुमला : मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठकर चीन का स्थान लेते हुए भारत को 'दुनिया की नई फैक्ट्री' बनाएंगे

हकीकत : चीन का स्थान लेना तो दूर, हम आर्थिक रूप से उसी पर निर्भर हो गए हैं। चीन से आयात का हिस्सा 2014 में 11% था, जो बढ़कर पिछले कुछ वर्षों में 15% हो गया है।

कंपटीशन को दबा दिया गया- जयराम रमेश

आखिरी में कांग्रेस नेता ने लिखा- पिछले दशक में हमारे देश का आर्थिक नीति निर्माण स्थिर, पूर्वानुमान एवं समझदारी से भरा (उदाहरण के लिए, नोटबंदी को याद कीजिए) नहीं रहा है। डर और अनिश्चितता के माहौल के कारण निजी निवेश में वृद्धि बाधित हुई है। कंपटीशन को दबा दिया गया है क्योंकि मोदी जी के करीबी एक या दो बड़े बिजनेस ग्रुप्स को समर्थन प्राप्त है और उन्हें ही समृद्ध किया गया है। मेक इन इंडिया सीधे तौर पर फेक इन इंडिया बन गया है।

अपने अभिनय से वाह-वाही बटोरने वालीं आलिया, जब इन विवादों की वजह से चर्चा में रहीं

अपने 12 साल के अब तक के करियर में आलिया भट्ट ने अभिनय के अलावा विवादों की वजह से भी काफी चर्चा बटोरी हैं। आज हम जिक्र करेंगे अभिनेत्री से जुड़े उन हालिया विवादों के बारे में, जिससे उनका नाम काफी सुर्खियों में रहा।

आलिया भट्ट को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता की वजह से उन्होंने फिल्म जगत में काफी सम्मान हासिल किया है। वक्त में थोड़ा पीछे की ओर चलें, तो जब साल 2012 में बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक की बेटी आलिया भट्ट ने पहली बार फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर मुख्य अभिनेत्री कदम रखा, तो किस ने सोचा था कि वो आगे चल कर हिंदी फिल्म इतिहास की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक साबित होंगी। पहले फिल्म में फिल्म आलोचकों को उनके अभिनय में कई कमियां नजर आईं, लेकिन समय के साथ फिल्म दर फिल्म उन्होंने खुद को बेहतरीन अभिनेत्री के रूप में साबित किया। आज, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की शीर्ष अभिनेत्रियों में उनका नाम शुमार होता है। हालांकि, अपने 12 साल के अब तक के करियर में अभिनेत्री ने विवादों की वजह से भी काफी चर्चा बटोरी है। आज हम जिक्र करेंगे अभिनेत्री से जुड़े उन विवादों के बारे में, जिससे उनका नाम काफी सुर्खियों में रहा।

आलिया से जुड़ा सबसे ताजा विवाद उनकी सबसे ताजा फिल्म 'जिगरा' से संबंधित है। वसन बाला के निर्देशन में बनी फिल्म को लेकर अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार ने उन पर कई आरोप लगाए हैं। दिव्या ने पहले तो, इस फिल्म की कहानी को उनकी फिल्म सावी से चोरी करने का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने फिल्म के कलेक्शन को लेकर भी आरोप लगाया कि ये बिलकुल गलत आंकड़े दिखाए जा रहे हैं। दिव्या ने कहा कि वह इस फिल्म को देखने सिटी ऑफ मॉल पीवीआर गई थीं, जहां थिएटर पूरी तरह खाली पड़े थे। उन्होंने आलिया पर फिल्म के गलत कलेक्शन बताने का आरोप लगाया।

आलिया और रणबीर कपूर बॉलीवुड के लोकप्रिय कपल हैं। हालांकि, पिछले साल दोनों को लेकर एक विवाद हुआ था, जो आलिया के एक बयान से शुरू हुआ था। इसमें आलिया ने बताया था कि उनके पति रणबीर कपूर ने उन्हें लिपस्टिक न लगाने को कहा है, क्योंकि उन्हें होठों का प्राकृतिक रंग ही पसंद आता है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने रणबीर कपूर को काफी घेराव किया था और अभिनेता पर टॉक्सिक पति होने का आरोप लगाया था।

आलिया भट्ट और अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर भी एक विवाद काफी सुर्खियों में रहा था, जहां साल 2019 में एक सर्वे में कंगना रनौत को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने कहा था कि वो शर्मिंदा हैं, क्योंकि 'गली ब्वॉय' के प्रदर्शन में उन्हें हराने जैसा कुछ नहीं था। उन्होंने इस दौरान कहा था कि मीडिया फिल्मी बच्चो पर बहुत प्यार लुटाता है और मीडिया को ऐसा करना बंद कर देना चाहिए। कंगना ने आलिया पर तंज कसते हुए आगे कहा था कि सितारों के बच्चों के औसतन प्रदर्शन को बेहतर कहने से अभिनय का स्तर और नीचे जाएगा। दोनों के बीच हुए इस विवाद ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

तमाम विवादों के बाद भी आलिया भट्ट अपने प्रदर्शन के दम पर दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनी रहती हैं। बात करें उनके वर्क फ्रंट की, तो वह हालिया रिलीज 'जिगरा' में वेदांग रैना के साथ नजर आई हैं। इस फिल्म में उनके अभिनय को भी काफी सराहना मिली है। इसके बाद वो यशराज बैनर की जासूसी पर आधारित फिल्म 'अल्फा' में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह अभिनेत्री शरवरी वाघ के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। इसके साथ ही वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी नजर आने वाली हैं। इसके अलावा कैटरीना कैफ, प्रियंका चोपड़ा के साथ उनकी फिल्म 'जी ले जरा' भी प्रस्तावित है, जिसका निर्देशन फरहान अख्तर करने वाले हैं।

सिंघम अगेन से पहले होगा बाजीराव का तांडव, सिनेमाघरों में फिर धूम मचाएगी सिंघम

अजय देवगन बाजीराव सिंघम बनकर पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। वो जल्द ही पूरी टीम के साथ सिंघम अगेन में नजर आएंगे। वही पुराना किरदार नए अंदाज में दिखेगा। फिल्म दिवाली पर रिलीज हो रही है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले ही बड़ा फैसला किया है। जल्द ही फिल्म के पहले पार्ट सिंघम को थिएटर्स में रिलीज कर रहे हैं। ऐसे में अगर आप सिंघम का टशन भूल गए हैं तो आप पहले पार्ट को देखकर पुरानी यादें ताजा कर सकते हैं। निर्देशक रोहित शेट्टी ने इसकी घोषणा की।

रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर सिंघम का मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिसमें अजय देवगन सिंघम के मशहूर पोज में नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके साथ लिखा, दिवाली पर पूरी ताकत के साथ आने से पहले। अनुभव करें कि यह सब फिर से कैसे शुरू हुआ। फिर से भीड़ का अनुभव करें। फिर से उल्लास का अनुभव करें। सिंघम अगेन से पहले एक बार फिर सिंघम का अनुभव करें! निर्माताओं ने कहा, टसिंघम को सिनेमाघरों में वापस लाने का फैसला सिंघम अगेन की रिलीज से पहले बड़े पर्दे पर फिर से सामूहिक मनोरंजन करने वाले सिंघम का अनुभव करने के लिए उत्सुक प्रशंसकों की भारी मांग को देखते हुए लिया गया है।

यह फिल्म दशहरा के एक सप्ताह बाद 18 अक्टूबर को पूरे भारत में रिलीज होगी और इसकी तीसरी कड़ी सिंघम अगेन के स्क्रीन पर आने से दो सप्ताह पहले। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघम 2011 में रिलीज हुई थी। सूर्या की इसी नाम की तमिल हिट की रीमेक सिंघम में अजय देवगन, प्रकाश राज और काजल अग्रवाल ने अभिनय किया था। यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी सफलता थी, जिसने 40 करोड़ के बजट में 141 करोड़ की कमाई की थी। पुलिस यूनिवर्स को अब सिंघम आगेन में एवेंजर्स-स्टाइल क्रॉसओवर इवेंट मिलेगा। इस फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर और अर्जुन कपूर के साथ रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में हैं। फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com